आज का सुविचार

जीवन कर्म का ही दूसरा नाम है। वह जो कभी कर्म नहीं करता उसका अस्तित्व है किन्तु वह जीवित नहीं।
- हिलाई

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-20 भोपाल, बुधवार 01 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

ITDC

पंचांग

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष
द्वादशी, बुधवार 22
विक्रम, संवत 2078

ITDC

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:40/5:36
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	22 %
वायु (किमी/घ.)	08
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट ITDC

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 49,595

ITDC

शेयर सूचकांक

बीएसई	57064.87	-195.71
निफ्टी	16983.20	-70.75

भोपाल में कोरोना पॉजिटिव आने से चिंतित मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में आपात बैठक बुलाई

तुरंत सक्रिय होकर सभी आवश्यक कदम उठाए जाएँ : मुख्यमंत्री शिवराज सिंह

» संक्रमित व्यक्ति को आइसोलेट करते हुए परिवार की कोरोना जाँच कराएँ, कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग करें

» एक क्षण भी लापरवाही न हो : मुख्यमंत्री श्री चौहान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में भोपाल के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक में कोरोना संक्रमण की आहट को सुनकर आवश्यक सावधानियाँ बरतने के निर्देश दिए। भोपाल शहर के अलग-अलग मोहल्लों में एक दर्जन से अधिक कोरोना संक्रमण के मामले सामने आने से चिंतित मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्य-योजना तैयार कर प्रशासन अलर्ट मोड पर रहे।

सीएम खुद भी निकलेंगे जागरूकता अभियान को गति देने:- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि भोपाल सहित अन्य स्थानों पर जाकर वे नागरिकों को मास्क के उपयोग के लिए जागरूक करेंगे। सामाजिक संगठनों को भी जागरूकता अभियान से जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रमुख सचिव स्वास्थ्य को निर्देश दिए कि कोरोना के संबंधित आँकड़े मेरे समक्ष प्रतिदिन सुबह और शाम नियमित रूप से रखें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी अस्पतालों में कोरोना के उपचार से संबंधित सभी मशीनों की समीक्षा करें। इनका ट्रायल कर लें, बच्चों के वार्ड, ऑक्सीजन प्लांट, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, वेंटिलेटर सहित अन्य उपकरण की जाँच कर लें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में रोको-टोको अभियान को गति दें, कोई भी आँकड़े छुपाए न जाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिला सीएमएचओ की बैठक आज ही लें। रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट आदि पर कोरोना टेस्ट की व्यवस्था के निर्देश भी दिए गए। वर्तमान में रेलवे स्टेशन पर रेपिड एंटीजन टेस्ट किए जा रहे हैं। विभिन्न स्थानों पर आरटीपीसीआर टेस्ट की व्यवस्था के भी निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री श्री चौहान एक दिसंबर को प्रात: 10 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला, विकासखण्ड, वार्ड और ग्राम स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट समितियों के सदस्यों को संबोधित करेंगे।

कार्यक्रमों पर रोक नहीं है

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा के सार्वजनिक कार्यक्रमों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन फेस मास्क के उपयोग और अन्य सावधानियों को अपनाएँ, पूरी तरह सजग बने रहें तो संक्रमण का प्रसार नहीं होगा। प्रत्येक स्तर पर अलर्ट रहना आवश्यक है।

मुंबई दौरे पर CM ठाकरे और ममता की मुलाकात नहीं होगी

बंगाल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तीन दिन के मुंबई दौरे पर हैं। पहले कहा गया था कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और हृष्टक्क चीफ शरद पवार से ममता की मुलाकात होगी। हालांकि अब सीएम ठाकरे से मिलने का उनका कार्यक्रम रद्द हो गया है। ठाकरे खराब सेहत के चलते ममता से नहीं मिलेंगे। वहीं, शरद पवार से बंगाल सीएम की मुलाकात हो सकती है।

चारधाम देवस्थानम बोर्ड भंग

नई दिल्ली। उत्तराखंड सरकार ने चारधाम देवस्थानम बोर्ड एक्ट को वापस लेने का फैसला किया है। राज्य के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पिछले दिनों देवस्थानम बोर्ड को लेकर विभिन्न प्रकार के सामाजिक संगठनों, तीर्थ पुरोहितों, पंडा समाज के लोगों और विभिन्न प्रकार के जनप्रतिनिधियों से बात की है और सभी के सुझाव आए हैं। उन्होंने कहा, मनोहर कांत ध्यानी ने एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई थी।

जाखड़ का ट्वीट- आपके बंदर, आपकी सर्कस

पंजाब। पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान सुनील जाखड़ ने नवजोत सिद्धू के संगठन बनाने को लेकर दिलचस्प ट्वीट किया है। जाखड़ ने कहा कि आपके बंदर, आपकी सर्कस, मैं इस कहावत को फॉलो करता हूं। मैंने न किसी को कुछ सुझाव दिया है और न ही दूसरे के शो में हस्तक्षेप किया है। जाखड़ का यह ट्वीट उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आया है, जिनमें कहा गया कि नवजोत सिद्धू ने संगठन बनाते वक्त जाखड़ की सिफारिश नहीं मानी। .

पाक मॉडल ने मांगी माफी:कहा-
करतारपुर साहिब का इतिहास और सिख धर्म को जानने गई थी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पाकिस्तान स्थित श्री करतारपुर साहिब गुरुद्वारे में फोटोशूट करने पर पाकिस्तानी मॉडल स्वाला लाला ने माफी मांग ली है। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर %सॉरी% की फोटो पोस्ट की है। आपत्तिजनक फोटो डिलीट कर मॉडल लाला ने कहा कि वह तो करतारपुर साहिब की हिस्ट्री और सिख धर्म के बारे में जानने गई थी। अगर उनके फोटो से कोई आहत हुआ हो तो वह माफी मांगती हैं। लाहौर की रहने वाली मॉडल स्वाला लाला ने कहा कि यह किसी फोटोशूट का हिस्सा नहीं था। मैं किसी की भावनाओं को आहत नहीं करना चाहती थी। मैंने देखा कि लोग वहां फोटो खिंचवा रहे हैं, जिनमें कई सिख भी थे, इसलिए मैंने भी खिंचवा ली। यह तस्वीरें भी उस जगह की नहीं हैं, जहां लोग माथा टेकते हैं। उन्होंने पूरे सिख समुदाय से माफी मांग कर कहा कि भविष्य में वह इसका ध्यान रखेंगी।

फोटोशूट पर मॉडल और स्टोर का झूठा दावा

इस मामले में स्टोर मन्नत क्लोदिंग और मॉडल स्वाला लाला का कहना है कि यह किसी फोटोशूट का हिस्सा नहीं था। हालांकि मन्नत क्लोथिंग ने बाद में मॉडल की इन तस्वीरों पर 50त्न तक डिस्काउंट का लेबल लगाकर इन्हें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया था।

गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा बोले-
कांग्रेस हमेशा जनजातीय वर्ग का अपमान करती रही है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल।

कांग्रेस नेताओं द्वारा भारतीय जनता पार्टी की सरकार और नेताओं पर जनजातीय नायकों को लेकर किए जा रहे कार्यों पर सवाल उठाने का प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने पलटवार किया है। मंगलवार सुबह निवास पर मीडिया से चर्चा करते हुए प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस अप्रत्यक्ष रूप से टंट्या मामा को डाकू कह रही है। कांग्रेस हमेशा जनजातीय वर्ग का अपमान करती रही है। मंत्री डॉ. मिश्रा ने हर बूथ पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की तैनाती पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस कहती है भाजपा करती है। कांग्रेस कहीं भी अपने कार्यकर्ता तैनात नहीं करेगी। भाजपा हर बूथ पर अपने कार्यकर्ता तैनात कर चुकी है। कांग्रेस के नेताओं ने पहले ही वैक्सीन को लेकर भ्रम फैलाया था।

संसद में चर्चा से भाग रही है कांग्रेस:- गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि सदन में कांग्रेस किसान कानून पर चर्चा नहीं कर सकती। राहुल गांधी आलू को सोना बनाते हैं। मध्यप्रदेश हो या दिल्ली, कांग्रेस एक समय पर खाट पर चर्चा कर रही थी, सदन में चर्चा करनी चाहिए थी तो वहां पर करते नही हैं।

BJP में वंचितों के साथ सौतेला व्यवहार हो रहा

धार्मिक मामलों में मुस्लिम परेशान हैं, फर्जी मुकदमों में फंस रहे

ओबीसी जनगणना कराने को ले करके मांग चल रही

19 से 4 विधायकों की पार्टी बनी बसपा अकेले चुनाव लड़ेगी, मायावती बोलीं- चंद्रशेखर से गठबंधन नहीं

लखनऊ। लखनऊ में मंगलवार को बसपा मुख्यालय में मायावती ने योगी सरकार पर जमकर हमला किया। उन्होंने साफ किया कि वह किसी से गठबंधन नहीं करेंगी और बसपा अकेले ही चुनाव लड़ेगी। बता दें कि 2017 में बसपा के 19 विधायक जीते थे, हालांकि लगातार उनके विधायकों के दूसरे दलों में जाने से अब उनके पास केवल चार विधायक बचे हैं। मायावती ने कहा कि गोरखपुर में ब्राह्मण की हत्या पर कार्रवाई नहीं हुई। कानून व्यवस्था के मामले में योगी सरकार पूरी तरह से फेल साबित हुई है। उन्होंने किसी पार्टी से गठबंधन के सवाल पर कहा कि हमारी पार्टी इस बार किसी से भी गठबंधन नहीं करेगी।

गंभीर रोगियों के लिए बूस्टर डोज मुमकिन
नेशनल एडवाइजरी ग्रुप 2 हफ्ते में पॉलिसी तैयार करेगा 44 करोड़ बच्चों के वैक्सीनेशन पर भी हो सकता है फैसला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट के भारत पहुंचने की भी आशंका जताई जा रही है। इस बीच, देश की कोविड टॉस्क फोर्स के चेयरमैन डॉ. एनके अरोरा ने कहा है कि सरकार गंभीर रोगियों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों के लिए वैक्सीन की एडिशनल डोज पर नई पॉलिसी लाने जा रही है। यह पॉलिसी 2 हफ्ते में नेशनल टेक्निकल एडवाइजी ग्रुप तैयार करेगी। हञ्जत्न देश के 44 करोड़ बच्चों के वैक्शीनेशन के लिए भी नई पॉलिसी लाने जा रही है। अरोरा ने कहा- देश की कई लैब्स फिलहाल भारत में मौजूद वैक्सीन के नए वैरिएंट्स पर एफिकेसी की जांच कर रही है। इसमें 2 हफ्ते लग सकते हैं। इसके बाद ही हमें पता चलेगा कि कोवैक्सिन, कोविशील्ड और दूसरी वैक्सीन वायरस से किस हद तक लड़ने में सक्षम हैं।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

एलन मस्क की पराग को बधाई : ट्विटर सीईओ बनने पर बोले-
भारतीय टैलेंट से अमेरिका को बहुत फायदा हुआ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ट्विटर ने भारतीय मूल के पराग अग्रवाल को अपना नया सीईओ बनाया है। उन्हें सीईओ बनाए जाने की टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने तारीफ की है। स्ट्राइप कंपनी के सीईओ और को-फाउंडर पैट्रिक कोलिसन के ट्वीट पर एलन मस्क ने रिप्लाई करते हुए लिखा कि भारतीय टैलेंट से अमेरिका को काफी फायदा हुआ है।

कोलिसन ने कहा भारतीयों की सफलता शानदार

पैट्रिक कोलिसन ने पराग अग्रवाल को बधाई देते हुए लिखा था, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अडोबी, IBM, पालो आल्टो, नेटवर्क्स और अब ट्विटर के सीईओ भारत में ही पले-बढ़े हैं। टेक की दुनिया में भारतीयों की आश्चर्यजनक सफलता को देखकर खुशी हो रही है। बधाई हो पराग।

श्रेया घोषाल ने कहा- हमें आपकी कामयाबी पर गर्व

सिंगर श्रेया घोषाल ने भी पराग अग्रवाल को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि बधाई पराग, तुम पर गर्व है!! हमारे लिए ये बड़ा दिन है, इस खबर का जश्न मना रहे हैं। दुनिया की कई बड़ी कंपनियों में भारतीय मूल के सीईओ हैं। माइक्रोसॉफ्ट में सत्या नडेला, गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट में सुंदर पिचाई, अडोब में शांतनु नारायण, IBM में अरविंद कृष्णा, VMWare में रघु रघुराम के बाद अब ट्विटर में पराग अग्रवाल सीईओ बने हैं।

पराग ने IIT बॉम्बे से पढ़ाई की, स्टेनफोर्ड से डॉक्टरेट

IIT बॉम्बे से पढ़ाई करने वाले पराग अग्रवाल स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से डॉक्टरेट भी हैं। ट्विटर ने 2018 में उन्हें एडम मेसिंजर की जगह चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर बनाया था। ट्विटर से पहले पराग माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च और याहू के साथ काम कर चुके हैं। IIT बॉम्बे में पराग अग्रवाल के प्रोफेसर रहे सुप्रतिम विश्वास ने बताया कि उन्होंने मेरे साथ दो कोर्स किए और, अगर मुझे सही से याद है, तो उन्होंने डिपार्टमेंट टॉपर के रूप में ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की थी। उन्होंने कहा कि अग्रवाल के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है क्योंकि पराग ग्रेजुएशन करने के बाद स्टैनफोर्ड चला गया था।

भोपाल में कोरोना को लेकर सख्ती

बिना मास्क के मिले तो अब 100 नहीं 500 रुपए जुर्माना

» दोनों डोज के बिना कर्मचारी मिले तो संस्थान पर कार्रवाई
» शादी समारोह और अन्य आयोजनों पर भी गाइडलाइन होगी जारी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल में अब बिना मास्क दिखाई देने पर 100 रुपए की जगह 500 रुपए का जुर्माना लगेगा। बिना दोनों डोज लगे कर्मचारी मिलने पर संस्था पर कार्रवाई की जाएगी। कोरोना संक्रमित मिलने पर होम आइसोलेशन नहीं किया जाएगा। उन्हें काटूज अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। यह आदेश भोपाल कलेक्टर अविनाश लवानिया ने जारी किया है। शादी समारोह और अन्य आयोजन को लेकर भी गाइडलाइन जारी हो सकती है। कोरोना के बढ़ते संक्रमण ने चिंता बढ़ा दी है। 14 दिन में ही राजधानी में 79 केस सामने आ चुके हैं। 24 घंटे में ही भोपाल में 14 केस मिले हैं, जो प्रदेश में मिले केस के दो तिहाई है। ऐसे में सरकार लोगों को मास्क पहनने और एक-दूसरे से सोशल डिस्टेंसिंग रखने की समझाइश दे रही है। बावजूद बाजारों में लापरवाही सामने आ रही है। लिहाजा, अब नगर निगम फिर से सख्ती करेगा। पहले बिना मास्क के सौ रुपए जुर्माना था, अब पांच सौ रुपए कर दिया गया है। इसके लिए चेकिंग की जाएगी। मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर कार्रवाई करीब 5 महीने से बंद है। इससे पहले निगम की टीमें रोज एवरेज 100 लोगों से जुर्माना वसूल रही थी, लेकिन बाद में ढिलाई बढ़ती गई और कार्रवाई बंद हो गई।

पुलिस की कार्रवाई भी बंद

कार्रवाई को लेकर पुलिस की कार्रवाई भी बंद हो गई है। इस वजह से लोग मास्क को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। बाजारों में 70त्न तक लोग बिना मास्क के ही घूमते नजर आते हैं। दुकानदार भी मास्क नहीं लगाए होते हैं। वहीं, सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन भी नहीं हो रहा। दुकानों के आगे से गोल घेरे और रस्सी गायब हो गई है।

कार्रवाई करेंगे

निगम कमिश्नर केवीएस चौधरी कोलसानी ने इस संबंध में सभी जोन प्रभारियों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि बिना मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

सप्तपर्णी और गुलमोहर के पौधों का रोपण

मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी ने भी लगाए पौधे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट उद्यान श्यामला हिल्स, भोपाल में सप्तपर्णी और गुलमोहर के पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी ने भी पौधे लगाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पौधारोपण के साथ ही श्रमदान भी किया।

गुलमोहर और सप्तपर्णी का महत्व

गुलमोहर को विश्व के सुंदरतम वृक्षों में से एक माना जाता है। गुलमोहर की पत्तियों के बीच बड़े-बड़े गुच्छों में खिले फूल, इस वृक्ष को अलग ही आकर्षण प्रदान करते हैं। गर्मी के दिनों में गुलमोहर के पेड़ पत्तियों की जगह फूलों से लदे हुए रहते हैं। यह औषधीय गुणों से भी समृद्ध है। सप्तपर्णी, एक सदाबहार औषधीय वृक्ष है, जिसका आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इस औषधीय पौधे का उपयोग विभिन्न दवाओं के निर्माण में किया जाता है।

पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी का परिचय

साहित्यकार डॉ. कपिल तिवारी वर्ष 2021 में पद्मश्री से सम्मानित हुए हैं। डॉ. तिवारी का जन्म सागर में हुआ था। साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े डॉ. तिवारी ने लोक संस्कृति साहित्य से संबंधित 93 पुस्तकों का संपादन किया है। उन्होंने मध्यप्रदेश में आदिवासी एवं लोक कलाओं और लोक कलाकारों के संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है । विशेष रूप से आदिवासी समुदायों के देवलोक पर केन्द्रित दो मोनोग्राफ का संपादन किया, जो गौड और कूरकू जनजाति पर केन्द्रित है।

डॉ. तिवारी जनजातीय लोककला अकादमी संस्कृति विभाग में 30 वर्ष तक निदेशक रहे हैं। संस्कृति विभाग में डॉ. तिवारी ने अविभाजित मध्य प्रदेश के जनजातीय बहुल क्षेत्रों से होनहार लोक कलाकारों को खोजकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान किया। डॉ. तिवारी के प्रयासों से मध्य प्रदेश की लोक संस्कृति और कलाओं को एक अलग पहचान मिली। उन्होंने लोक कलाओं पर कई पुस्तकें भी लिखी हैं। केंद्र सरकार ने डॉ. तिवारी को 2021 में पद्मश्री से अलंकृत किया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वैज्ञानिक डॉ. जगदीश चंद्र बोस की जयंती पर पुष्प अर्पित कर नमन किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वैज्ञानिक डॉ. जगदीश चंद्र बोस की जयंती पर निवास सभाकक्ष में उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। डॉंजगदीश चन्द्र बोस का जन्म 30 नवम्बर 1858 को अविभाजित भारत के बंगाल (अब बांग्ला देश के ढाका जिले में फरीदपुर के मेमनसिंह) में हुआ था। बचपन से ही डॉं. बोस को पेड़-पौधों से बेहद लगाव था। साथ ही उनको महाभारत, गीता और रामायण पढ़ने का शौक भी था। श्री बोस रेडियो और सूक्ष्म तरंगों की प्रकाशिकी पर कार्य करने वाले पहले वैज्ञानिक तो थे ही, आपने यह भी साबित किया था कि पेड़-पौधों में भी जान होती है। डॉ. बोस भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे, जिन्हें भौतिकी, जीवविज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा पुरातत्व का गहरा ज्ञान था। वे पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने रेडियो और सूक्ष्म तरंगों की प्रकाशिकी पर कार्य किया। वनस्पति विज्ञान में उन्होंने कई महत्त्वपूर्ण खोजें की। वे भारत के पहले वैज्ञानिक शोधकर्त्ता थे। सर बोस भारत के पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने एक अमरीकन पेटेंट प्राप्त किया। उन्हें रेडियो विज्ञान का पिता भी माना जाता है। डॉ. बोस विज्ञानकथाएँ भी लिखते थे। उन्हें बंगाली विज्ञान कथा-साहित्य का पिता भी माना जाता है। डॉ. बोस का 23 नवम्बर 1937 को कलकत्ता में निधन हुआ।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से मध्यप्रदेश के महाधिवक्ता श्री प्रशांत सिंह ने राजभवन में सौजन्य भेंट की।

न्यूज ब्रीफ

एक्ट्रेस अमीषा पटेल के खिलाफ वारंट

भोपाल। भोपाल जिला न्यायालय ने सोमवार को बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। उनके खिलाफ ञ्जस्न टेलीफिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड ने 32 लाख 25 हजार रुपए के चेक बाउंस का मामला लगाया था। जिला कोर्ट ने अमीषा को 4 दिसंबर को उपस्थित होने के निर्देश जारी किए हैं। अमीषा मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की स्टार प्रचारक रही हैं। UTF टेलीफिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के वकील रवि पंथ ने बताया कि प्रथम श्रेणी जिला न्यायाधीश रवि कुमार बोरासी ने अमीषा के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। अमीषा और उनकी कंपनी M/S अमीषा पटेल प्रोडक्शन ने UTF टेलीफिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड से फिल्म बनाने के नाम पर 32 लाख 25 हजार रुपए उधार लिए थे।

पर्यावरण एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग ने बड़वानी पहुंचकर क्रांतिसूर्य जननायक टंट्या भील गौरव यात्रा का स्वागत किया।

देश को ऊर्जा साक्षरता का पाठ पढ़ायेगा मध्यप्रदेश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

देश और दुनिया को ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु असंतुलन और बिजली के अपव्यय से बचाने के लिये ऊर्जा साक्षरता अभियान (ऊषा) के रूप में लोगों को जागरूक करने की अनूठी पहल मध्यप्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग ने की है। अभियान में प्रदेश के साढ़े 7 करोड़ नागरिकों को समयबद्ध कार्य-योजना बनाकर ऊर्जा साक्षर बनाने के प्रयास किये जायेंगे। पहले 6 महीनों में 50 लाख नागरिकों को ऊर्जा साक्षर बनाने का लक्ष्य है। स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को ब्रॉण्ड एम्बेसडर बनाया जायेगा। उत्कृष्ट सहभागिता होने पर पुरस्कृत किया जायेगा। अभियान का उद्देश्य लोगों को ऊर्जा प्रयोग के प्रति संवेदनशील बनाते हुए आगामी वर्षों में पृथ्वी को ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु संतुलन के दुष्प्रभावों से बचाना है। इसके अंतर्गत ऊर्जा के व्यय एवं अपव्यय की समझ विकसित करना, ऊर्जा के पारम्परिक एवं वैकल्पिक साधनों की जानकारी देना, उनका पर्यावरण पर प्रभाव, ऊर्जा एवं ऊर्जा के उपयोग के बारे में सार्थक संवाद, ऊर्जा संरक्षण एवं प्रबंधन के बारे में जागरूकता, ऊर्जा उपयोग के प्रभावों, परिणामों की समझ के आधार पर इसके दक्ष उपयोग के लिये निर्णय लेने की दक्षता उत्पन्न करना, पर्यावरणीय जोखिम एवं जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव को कम करना और विभिन्न ऊर्जा तकनीकों के चयन के लिये लोगों को सक्षम बनाया जायेगा। स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों सहित जन-साधारण को ऊर्जा की महत्ता, पारम्परिक ऊर्जा से होने वाला कार्बन उत्सर्जन, सौर, पवन, बॉयोमॉस आदि हरित ऊर्जा के लाभ और मितव्ययता आदि की विस्तृत जानकारी दी जायेगी। अभियान के जरिये लोगों को बताया जायेगा कि एक यूनिट बिजली बचाने से लगभग 2 यूनिट बिजली का उत्पादन बढ़ता है। नई पीढ़ी द्वारा ऊर्जा निर्माण और सदुपयोग में जागरूकता के दूरगामी परिणाम होंगे। ऊर्जा उपयोग के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ की जानकारी सुलभ रूप में पहुँचाने और अपनाने का कार्य मिशन के रूप में किया जायेगा। श्रेणीगत प्रशिक्षण के माध्यम से चरण-बद्ध सर्टिफिकेशन का भी प्रावधान किया गया है। प्रदेश के सभी नागरिकों को समय-बद्ध कार्य-योजना के अनुसार ऊर्जा साक्षर बनाया जायेगा। पोस्टर, होर्डिंग, एनीमेशन, वीडियो, सोशल मीडिया, जिंगल्स, मोबाइल एप, स्वयं करके देखो आदि विधाओं द्वारा रोचक तरीके से लोगों को क्लीन ऊर्जा के संवर्धन और संरक्षण के लिये प्रेरित किया जायेगा।

मोबाइल से होगा पंजीयन

ऊर्जा साक्षरता अभियान से जुड़ना पूरी तरह निःशुल्क है। वेब पोर्टल या मोबाइल एप से एप डाउनलोड कर मोबाइल ओटीपी के माध्यम से पंजीयन होगा। इसके बाद लोग अपनी इच्छानुसार निर्धारित पाठ्यक्रमों में से एक का चयन कर सकेंगे। पाठ्यक्रम के चयन पर प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम (मॉड्यूल) डाउनलोड करने की सुविधा मिलेगी। प्रतिभागी अपनी सुविधानुसार ऑनलाइन पद्धति से बहु-विकल्पीय प्रश्नों के रूप में एक परीक्षा में भाग ले सकेगा। प्रश्न कम्प्यूटर द्वारा रेंडम आधार पर होंगे। प्रतिभागी के उत्तरों के आधार पर ऑनलाइन ऊर्जा साक्षरता प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा। प्रमाण-पत्र ओटीपी वेरीफिकेशन से डाउनलोड किया जा सकेगा।

मिलेगी प्रत्यक्ष जानकारी

जन-साधारण को अक्षय ऊर्जा उपयोग की ओर प्रेरित करने के लिये अक्षय ऊर्जा आधारित संयंत्रों की स्थापना का प्रदर्शन भी किया जायेगा। चुने हुए शासकीय कार्यालयों, आँगनवाड़ी भवनों, चिन्हित चिकित्सा केन्द्रों आदि को सौर ऊर्जीकृत किया जायेगा। बड़े शासकीय भवनों में शून्य निवेश आधारित रेस्को मॉडल पर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना की जा रही है। तकनीकी शिक्षा विभाग के 12 तकनीकी संस्थानों को ऑफग्रिड किया जाकर पूर्ण रूप से सौर ऊर्जीकृत किया जा रहा है। प्रदर्शन स्थलों की सफलता की कहानियों को विभिन्न माध्यमों से लोगों के बीच पहुँचाया जा रहा है। विकास की अंधाधुंध दौड़ के परिणाम स्वरूप उपजी ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु असंतुलन को नियंत्रित करने में ऊर्जा साक्षरता अभियान एक महत्वपूर्ण टर्निंग प्वाइंट सिद्ध होगा। कहते हैं बूंद-बूंद से घट भरता है।

न्यूज ब्रीफ

निजता विधेयक अंतरराष्ट्रीय नियमों के मुताबिक : सारो सर्वे

नई दिल्ली। डेटा सुरक्षा की सेवा प्रदाता सारो के एक सर्वे के मुताबिक 51 प्रतिशत से ज्यादा लोगों का मानना है कि आने वाला व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, 2019 अन्य वैश्विक निजता कानून जैसे जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन, कैलिफोर्निया कंज्यूमर प्राइवेसी ऐक्ट और पर्सनल इन्फॉर्मेशन प्रोटेक्शन लॉ के मुताबिक है। सारो ने पीडीपी विधेयक से लोगों की उम्मीदों के बारे में कराए गए सर्वे के आंकड़े आज जारी किए हैं। बहरहाल ज्यादातर हिस्सेदारों ने कहा है कि विधेयक में जीडीपीआर की तरह स्वतंत्र डेटा संरक्षण प्राधिकरण की व्यवस्था की जानी चाहिए। मसौदा विधेयक के मौजूदा प्रारूप में सरकार के बहुत ज्यादा हस्तक्षेप की अनुमति है और इस तरह यह संभावना कम है कि डीपीए का कामकाज स्वतंत्र होगा। सर्वे में शामिल होने वालों से पूछा गया कि क्या वे संगठनों के डेटा के स्थानीयकरण के प्रस्तावित प्रावधानों से सहमत हैं, जो देश के बाहर से संचालन करती हैं, 70 प्रतिशत हिस्सेदार इस प्रावधान से सहमत थे। 93 प्रतिशत लोग सहमत थे कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को भारत के निजता कानूनों का पालन करना चाहिए। बहुसंख्य हिस्सेदारों का माना है कि अहम आंकड़ों की परिभाषा पर काम किए जाने की जरूरत है और 71 प्रतिशत हिस्सेदारों का मानना है कि अभी मौजूदा परिभाषा स्तरीय नहीं हैं। सरकार ने पेंशनभोगियों के लिए जीवन प्रमाणपत्र के एक प्रमाण के रूप में चेहरा पहचानने वाली विशिष्ट तकनीक को सोमवार को पेश किया। कार्मिक राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने यह खास तकनीक पेश करते हुए कहा कि इससे सेवानिवृत्त एवं बुजुर्ग पेंशनभोगियों को काफी सहूलियत होगी। चेहरा पहचानने वाली इस तकनीक की मदद से पेंशनधारकों के जीवित होने की पुष्टि की जा सकेगी। दरअसल, सभी पेंशनधारकों को साल के अंत में अपने जीवित होने का प्रमाणपत्र देना अनिवार्य होता है। इसके आधार पर ही उन्हें आगे पेंशन जारी रखी जाती है। सिंह ने कहा, सरकार पेंशनभोगियों की जरूरतों को लेकर संवेदनशील रही है।

सिल्वर ETF में निवेश : 1 फीसदी से कम रहेगा सिल्वर ईटीएफ में एक्सपेंस रेश्यो, 99.9 फीसदी शुद्ध चांदी में होगा निवेश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने हाल ही में सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) में निवेश के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ की तरह चांदी में भी निवेश करने का मजबूत प्लेटफॉर्म मिल गया है।

ट्रैकिंग एरर

फंड हाउसेज को ट्रैकिंग एरर 2 फीसदी तक सीमित रखने का निर्देश दिया गया है। ट्रैकिंग एरर बेंचमार्क रिटर्न और स्कीम के रिटर्न का अंतर होता है। यह एरर बढ़ने पर निवेशकों को नुकसान हो सकता है।

बेंचमार्क

फंड हाउस 99.9 फीसदी शुद्धता वाले 30 किलो वजन के चांदी के बार खरीदेंगे। सिल्वर ईटीएफ का बेंचमार्क लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन पर चांदी की डेली स्पॉट प्राइस के आधार पर तय होगा।

एक्सपेंस रेश्यो

सिल्वर ईटीएफ का एक्सपेंस रेश्यो स्कीम के एयूएम (एसेट अंडर मैनेजमेंट) के एक फीसदी से ऊपर नहीं जा सकेगा।

लिि डिटी

सिल्वर ईटीएफ की यूनिट्स भी स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट होंगी। एक्सचेंजों पर पर्याप्त लिक्विडिटी बनाए रखने के लिए फंड हाउसेज को मार्केट मेकर्स नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

एसेट एलोकेशन

सिल्वर ईटीएफ को कम से कम 95 फीसदी एसेट चांदी या चांदी से जुड़े एक्सचेंज ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव्स (ईटीसीडी) में निवेश करना होगा। ईटीसीडी में भी 10 फीसदी एसेट से ज्यादा निवेश नहीं किया जा सकेगा।

क्या है ईटीएफ?

ईटीएफ एक प्रकार का निवेश है जिसे स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जाता है। ईटीएफ व्यापार शेयरों में व्यापार के समान है। ईटीएफ में बांड या स्टॉक खरीदे बेचे जाते हैं। एक एक्सचेंज ट्रेडेड फंड एक म्यूचुअल फंड की तरह है, लेकिन म्यूचुअल फंड के विपरीत, ईटीएफ को ट्रेडिंग अवधि के दौरान किसी भी समय बेचा जा सकता है।

रुपए का डिजिटल वर्जन : डिजिटल करेंसी को बैंक नोट के तहत शामिल करने का प्रस्ताव मिला

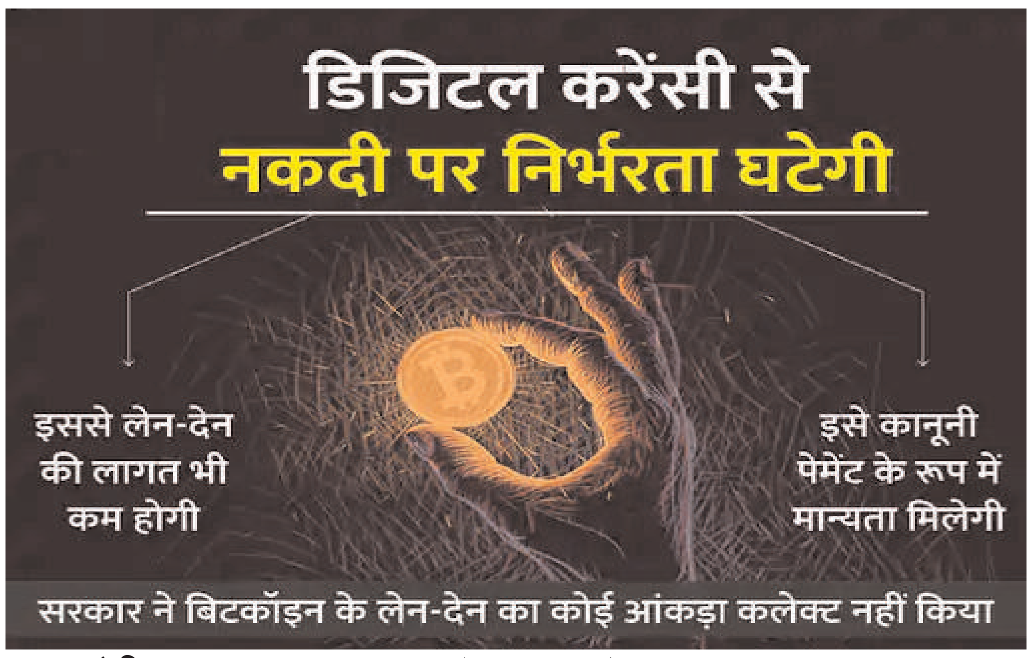

सरकार ने दिया बयान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सरकार ने सोमवार को कहा कि उसे भारतीय रिजर्व बैंक से बैंक नोट की परिभाषा के तहत डिजिटल करेंसी को शामिल करने का प्रस्ताव मिला है। अक्टूबर में आरबीआई ने सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC) का प्रस्ताव पेश किया था। CBDC डिजिटल करेंसी मूल रूप से वैध करेंसी होगी। जैसे भारत में रुपए का डिजिटल वर्जन है।

शुरुआत में महत्वपूर्ण लाभ मिलने की क्षमता

वित्त मंत्रालय ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि CBDC की शुरूआत में महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करने की क्षमता है। जैसे कि इससे नकदी पर कम निर्भरता होगी। लेन-देन की लागत भी कम होगी। मंत्रालय ने कहा कि यह संभवतः अधिक मजबूत, कुशल, भरोसेमंद, रेगुलेटेड और कानूनी निविदा-आधारित भुगतान पेमेंट की ओर ले जाएगा।

इसमें कुछ जोखिम भी हैं

हालांकि, मंत्रालय ने नोट किया कि इसमें कुछ जोखिम भी शामिल हैं। इसका काफी सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। एक अन्य उत्तर में केंद्र सरकार ने कहा कि कि देश में बिटकॉइन को करेंसी के रूप में मान्यता देने का कोई प्रस्ताव नहीं है। प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में हाल के दिनों में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है। क्योंकि निवेशक रेगुलेटरी बॉडी से ज्यादा क्लेरिफिकेशन का इंतजार कर रहे हैं।

बिटकॉइन के लेन-देन का आंकड़ा कलेक्ट नहीं

निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार ने बिटकॉइन के लेन-देन का कोई आंकड़ा कलेक्ट नहीं किया है। सरकार इसी सत्र में क्रिप्टोकरेंसी एंड रेगुलेशन ऑफ ऑफिशियल डिजिटल करेंसी बिल 2021 को पेश करने वाली है। इसमें सरकार या तो क्रिप्टोकरेंसी को बैन करेगी या फिर इसे सही तरीके से रेगुलेट करने की बात कर सकती है।

प्रधानमंत्री ने की थी बैठक

इस महीने की शुरुआत में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने रिज़र्व बैंक, वित्त मंत्रालय और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के अधिकारियों के साथ क्रिप्टोकरेंसी पर एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की थी। इस बीच, आरबीआई ने मैक्रो-इकोनॉमिक और वित्तीय स्थिरता जोखिमों पेश करने वाली क्रिप्टोकरेंसी पर बार-बार चिंता जताई है।

ईसॉप्स की पुनर्खरीद करेगी वेदांतु

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

लाइव ऑनलाइन लर्निंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांतु ने सभी पात्र कर्मचारियों के लिए 30 लाख डॉलर के ईसॉप्स पुनर्खरीद कार्यक्रम की घोषणा की है। इस पुनर्खरीद कार्यक्रम में कंपनी के संस्थापक भाग नहीं लेंगे लेकिन निर्धारित अवधि पूरी कर चुके शीर्ष नेतृत्व एवं पात्र सक्रिय कर्मचारी अपने ईसॉप शेयरों को भुना सकेंगे। वेदांतु के सह-संस्थापक एवं सीईओ वमसी कृष्णा ने कहा, पिछले कुछ वर्षों के दौरान हमने जबरदस्त वृद्धि देखी है और हमें गर्व है कि हम अपने छात्रों के जीवन पर अच्छा प्रभाव डाल रहे हैं। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि वेदांतु की तरह हमारे कर्मचारी भी विकास करें। वे इस वृद्धि में बराबर योगदान कर रहे हैं। सभी कार्यों में प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और उत्पाद टीम में विस्तार के साथ-साथ ईसॉप्स कर्मचारियों को वित्तीय वृद्धि के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराते हुए उच्च स्वामित्व प्रदान करते हैं। इसी साल सितंबर में वेदांतु ने सिंगापुर के इम्पैक्ट निवेश फंउ एबीसी वर्ल्ड एशिया के नेतृत्व में ई-शृंखला दौर के वित्त पोषण के तहत 10 करोड़ डॉलर जुटाने की घोषणा की थी। इस निवेश दौर में कोट्यू, टाइगर ग्लोबल, जीजीवी कैपिटल, वेस्टब्रिज आदि मौजूदा निवेशकों की भी उल्लेखनीय भागीदारी दिखी। वेदांतु का मूल्यांकन 1 अरब डॉलर हो गया और उसे भारत की सबसे बड़ी के-12 लाइव ऑनलाइन शिक्षण कंपनी का दर्जा हासिल हुआ। कृष्णा ने कहा, हम अपने कर्मचारियों को दीर्घकालिक धन सृजित करने में समर्थ बनाना चाहत हैं और उनके योगदान एवं प्रतिबद्धता को मान्यता देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, यह वेदांस के लिए मूल्य सृजित करने की सुविधा प्रदान करने वाला पहला ईसॉप कार्यक्रम है। भविष्य में हम लगातार ऐसी कई पहल करेंगे।% वेदांतू 3 से 18 वर्ष के छात्रों के साथ-साथ आईआईटी-जेईई, नीट, कॉमर्स, सीबीएसई, आईसीएसई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं और महाराष्ट्र बोर्ड जैसी राज्य परीक्षाओं की तैयारी के लिए ट्यटोरियल कोर्स की पेशकश करती है। वह तेजी से उभरती अपनी नई पेशकश सुपरकिड्स के तहत अंग्रेजी बोलने, पढने् और कोडिंग जैसे अतिरिक्त क्लास की पेशकश करती है।

ब्लैक फ्राइडे सेल की दमदार रही शुरुआत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत में ब्लैक फ्राइडे सेल को ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली क्योंकि इस दौरान ब्रांडों ने कीमतें घटा दी थी जिससे ग्राहकों को आकर्षित करने में मदद मिली। उन स्टोरों के बाहर ग्राहकों की लंबी कतार दिखी जहां अधिक छूट की पेशकश की गई थी। छूट की पेशकश ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों चैनलों पर की गई थी। भारत में अधिकतर अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों ने ब्लैक फ्राइडे सेल के तहत छूट की पेशकश की। अमेरिका में थैंक्सगीविंग थर्स्डे के बाद शुक्रवार को ब्लैक फ्राइडे सेल की शुरुआत हुई थी। यह दिन आमतौर पर क्रिसमस से पहले त्योहारी खरीदारी सीजन की शुरुआत की ओर इशारा करता है। अमेरिका में तमाम ब्रांड आमतौर पर ब्लैक फ्राइडे के तहत भारी छूट की पेशकश करतें हैं लेकिन अब उसका दायरा वैश्विक होता दिख रहा है। लैकोस्ट इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी राजेश जैन ने बिजनेस स्टैंडर्ड से कहा, %ब्लैक फ्राइडे सेल के लिए ग्राहकों की प्रतिक्रिया ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों चैनलों में अच्छी रही। ग्राहक अब खरीदारी के लिए लौट रहे हैं और बिक्री कोविड-पूर्व स्तर के करीब पहुंच चुकी है।% ऑनलाइन फैशन रिटेलर मिंत्रा ने अपने 3,000 ब्रांड साझेदारों के साथ ब्लैक फ्राइडे सेल का आयोजन 26 से 30 नवंबर के दौरान किया है। मिंत्रा के मुख्य व्यापार अधिकारी शेरोन पैस ने कहा, %फैशन को लेकर जागरूक खरीदारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए ब्रांड हरसंभव कदम आगे बढ़ा रहे हैं। हमें पर्सनल केयर, एथनिक वियर, वेस्टर्न वियर, ऐक्सेसरीज, प्रीमियम मर्केंडाइज और होम फर्नीशिंग जैसी श्रेणियों में दमदार मांग दिख रही है। भारत में अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों का फ्रैंचाइजी साझेदार मेजर ब्रांड्स के अध्यक्ष तुषार वेद ने कहा, %ब्लैक फ्राइडे सेल एक वैश्विक कार्यक्रम है। इस दौरान हमारे ब्रांड की ओर से ग्राहकों के लिए अद्भुत पेशकश की जाती है और अब तक की प्रतिक्रिया काफी आकर्षक रही है। यह सेल आयोजन एक सप्ताह तक जारी रहेगा और हम बेहतर परिणाम की उम्मीद करते हैं।

यह एल्डो, चार्ल्स ऐंड कीथ, बेवर्ली हिल्स, पोलो क्लब आदि ब्रांड के लिए फ्रैंचाइजी साझेदार है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं अप्लायंसेज रिटेलर विजय सेल्स का कहना है कि ब्लैक फ्राइडे सेल की शुरुआत जबरदस्त नहीं दिखी। विजय सेल्स के प्रबंध निदेशक नीलेश गुप्ता ने कहा, ब्लैक फ्राइडे सेल की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि शुक्रवार कामकाज का दिन था लेकिन हमारा मानना है कि सप्ताहांत में लोगों की आवक बढ़ेगी।

जीडीपी में स्वास्थ्य पर खर्च का हिस्सा घटा, जेब से खर्च भी कम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

सरकार का स्वास्थ्य क्षेत्र में 2017-18 में कुल खर्च घटकर सकल घरेलू उत्पाद का 3.3 प्रतिशत रह गया है, जो इसके पहले के दो वित्त वर्षों में 3.8 प्रतिशत था। आज जारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा (एनएचए) के अनुमानों से यह जानकारी मिली है। एनएचए के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि जीडीपी के साथ कुल व्यय के हिस्से के रूप में सरकार का स्वास्थ्य व्यय 2013-14 और 2017-18 के बीच 3.78 प्रतिशत से बढ़कर 5.12 प्रतिशत हो गया है, जिसकी व्याख्या 2017-18 में आउट आफ पॉकेट व्यय (ओओपीई) में नजर आ रही गिरावट के रूप में की जा सकती है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कुल जीडीपी में स्वास्थ्य पर खर्च का प्रतिशत 2013-14 के 1.15 प्रतिशत से बढ़कर 1.35 होने पर भी जोर दिया है। इंडिया रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री देवेंद्र पंत ने कहा, यह देखा जाना जरूरी है कि क्या यह जारी रहता है। आयुष्मान भारत सितंबर 2018 में पेश किया गया था, सरकार का व्यय बढ़ा हो सकता है, लेकिन 2020 और 2021 की महामारी ने जेब से खर्च बढ़ाया है। 2017-18 में आउट आफ पॉकेट व्यय गिरकर 48.8 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले 58.7 प्रतिशत था। राष्ट्रीय स्तर पर जहां यह गिरा है, कुछ राज्यों में आउट आफ पॉकेट व्यय राष्ट्रीय औसत की तुलना में बहुत ज्यादा है। उदाहरण के लिए 2017-18 में कुल चालू व्यय में उत्तर प्रदेश में इसकी हिस्सेदारी 72 प्रतिशत से ज्यादा है, जबकि पश्चिम बंगाल और पंजाब में 69 प्रतिशत से ज्यादा है। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक हेल्थ के निदेशक दिलीप मावलंकर ने कहा, आयुष्मान भारत आने के साथ सरकार का व्यय आगे और बढ़ेगा।

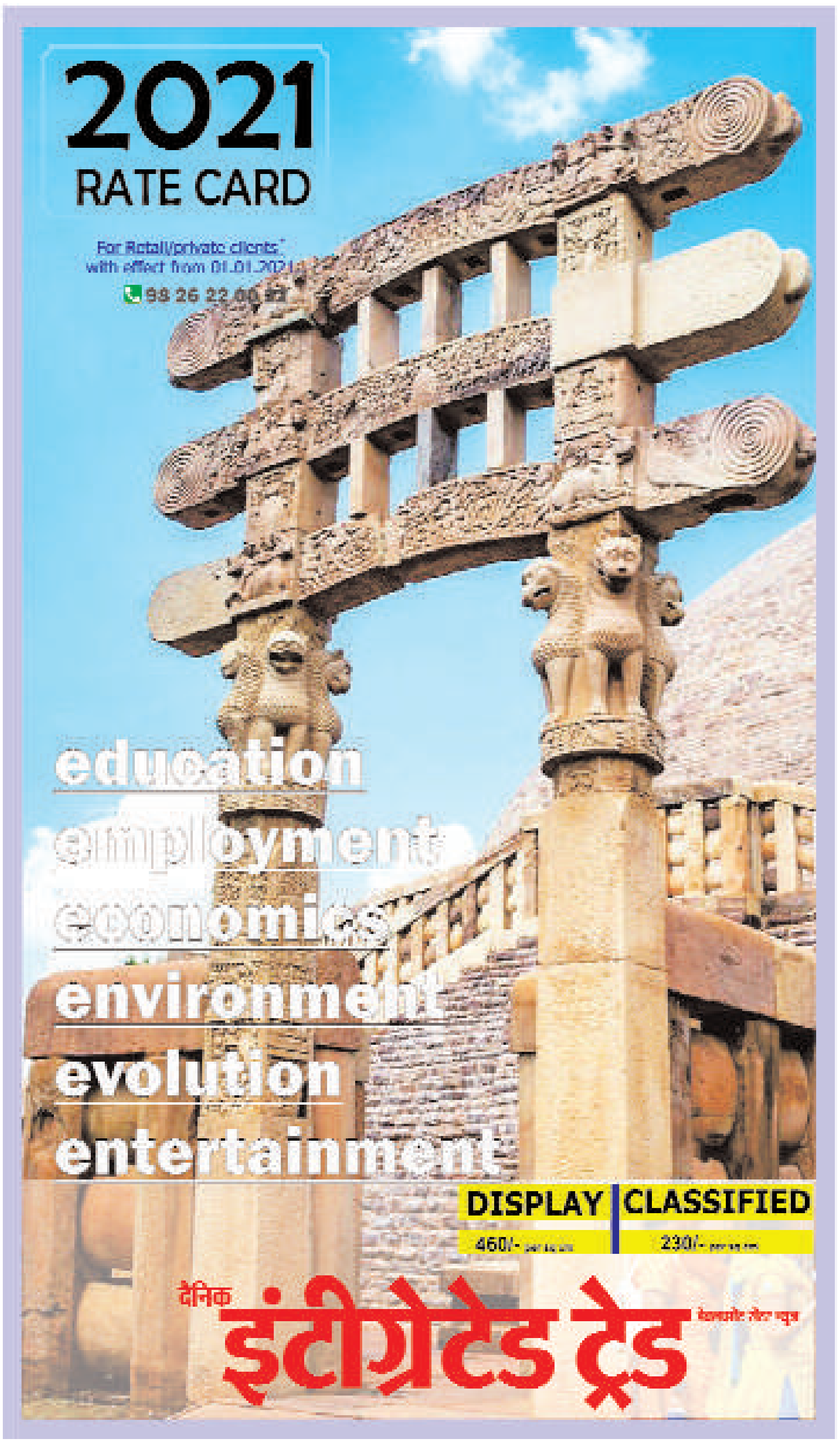

मार्च 22 तक एनबीएफसी की बढ़ सकती हैं दबाव वाली संपत्तियां

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की दबाव वाली संपत्तियां (फ्रेगाइल असेट्स) बढ़ सकती हैं, जिसमें गैर निष्पादित कर्ज शामिल होता है। क्रिसिल के मुताबिक मानकों में बदलाव और पुनर्गठित बही के कारण इस तरह की संपत्तियां मार्च 2022 तक 5 से 6 प्रतिशत तक हो सकती हैं। क्रिसिल रेटिंग्स में डिप्टी चीफ रेटिंग ऑफिसर और सीनियर डायरेक्टर कृष्णन सीतारमण ने कहा कि भारत में एनबीएफसी इस समय संपत्ति की गुणवत्ता सहित विपरीत परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। दबाव वाली संपत्तियां मार्च 2021 में 4 से 4.5 प्रतिशत थीं। संपत्ति की गुणवत्ता का दबाव अलग अलग संपत्ति वर्ग में अलग है। जहां आवास एवं स्वर्ण ऋण में इसका असर कम होगा, वहीं असुरक्षित कर्ज और एसएमई कर्ज के मामले में इसकी आंच तेज रहेगी। कृष्णन ने कहा कि जीएनपीए बढने् की रिपोर्ट संभव है, वहीं एनबीएफसी द्वारा चूक प्रोफाइल और संग्रह कुशलता के अतिरिक्त खुलासे से उन्हें मदद मिल सकती है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि पिछले 3 वित्त वर्ष से कई तरह की चुनौतियों का सामना करने के बाद वित्त कंपनियों की प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) बढ़कर अगले वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 23) में 8 से 10 प्रतिशत बढ़कर करीब 30 लाख करोड़ रुपये होने की संभावना है। बीएफआईएल के एमडी व कार्यकारी निदेशक के इस्तीफे इंडसइंड बैंक के पूर्ण-स्वामित्व वाली इकाई भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन लिमिटेड (बीएफआईएल) के प्रबंध निदेशक और कार्यकारी निदेशक ने अपने पदों से इस्तीफे दे दिए हैं। इंडसइंड बैंक ने सोमवार को बताया कि बीएफआईएल के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शलभ सक्सेना और कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) आशीष दमानी ने पिछले हफ्ते इस्तीफे दे दिए हैं। शलभ सक्सेना और आशीष दमानी दोनों ही बीएफआईएल की प्रतिद्वंद्वी सूक्ष्म वित्त कंपनी स्पंदना स्फूर्ति फाइनेंशियल लिमिटेड से जुडने् वाले हैं।

बोलने तो दें

स्टैंड-अप कमीडियन मुनव्वर फारूकी की निराशा एक लोकतांत्रिक व्यवस्था की नाकामी का संकेत है। रविवार को बेंगलुरु में होने वाला अपना शो आखिरी पलों में कैंसल किए जाने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'नफरत जीत गई, आर्टिस्ट हार गया। आइ एम डन, गुड बाई (मैं थक गया, अलविदा)।' यह कोई पहला शो नहीं था मुनव्वर फारूकी का, जो इस तरह कैंसल किया गया हो। पिछले दो महीनों में अलग-अलग राज्यों और शहरों में उनके 12 शो कैंसल किए गए हैं।

दिलचस्प है कि ये सारे राज्य किसी एक ही पार्टी के शासन वाले नहीं हैं। अगर उनके सूरत, वड़ोदरा और अहमदाबाद में आयोजित शो नहीं होने दिए गए तो मुंबई और रायपुर में होने वाले शो भी उसी गति को प्राप्त हुए। इसके पीछे जरूर हर जगह बजरंग दल और अन्य हिंदुत्ववादी संगठनों की ओर से दी जा रही धमकियों की भूमिका रही, जिनका यह आरोप रहा है कि फारूकी हिंदू देवी-देवताओं का मजाक उड़ाकर उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं।

मामला शुरू हुआ इस साल एक जनवरी को, जब इंदौर में आयोजित एक शो के सिलसिले में फारूकी को इंदौर पुलिस ने गिरफ्तार किया। उनके खिलाफ शिकायत एक बीजेपी विधायक के बेटे ने की थी। आरोप तब भी वही था हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने का। हालांकि फारूकी के मुताबिक उन्होंने वे जोक सुनाए ही नहीं। शो से पहले ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। करीब साल पूरा होने को आया, लेकिन अभी तक उस मामले में चार्जशीट भी फाइल नहीं की गई। फिर भी मामला अदालत में है और इसीलिए उसमें कौन कितना दोषी या निर्दोष है, यह अदालत से ही तय होगा।

यहां सवाल उनके या किसी भी कमीडियन, कलाकार, पत्रकार या आम नागरिक की अभिव्यक्ति की आजादी का है। तमाम नियम कायदों और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए किसी कलाकार का शो आयोजित होता है और कोई संगठन आयोजकों को धमकी देता है कि शो हम नहीं होने देंगे तो जाहिर है इस धमकी का कोई कानूनी आधार नहीं है। बावजूद इसके कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने वाली पुलिस मशीनरी ऐसी धमकियों से सुरक्षा देने के बजाय शो का ही परमिशन वापस ले लेती है तो इसे उसकी नाकामी नहीं तो और क्या कहा जाए? और ऐसा एक के बाद एक कई राज्यों में हो तो यह हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की साख पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

बेशक, अभिव्यक्ति के अधिकार पर कई तरह की कानूनी पाबंदियां हैं। अगर कोई इन पाबंदियों का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ उपयुक्त कदम उठाया जा सकता है। लेकिन किसी को इस आशंका में बोलने ही न दिया जाए कि यह कुछ गलत बोल देगा तो निश्चित रूप से यह उस व्यक्ति के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। संबंधित राज्य सरकारों को तत्काल ऐसा माहौल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाना चाहिए जिसमें कोई कलाकार हारा हुआ न महसूस करे।

संपादकीय

विधानसभा चुनाव में समर्थन आधार बढ़ाने के लिए बोली

बीजेपी एक तरफ गैर-यादव ओबीसी और एमबीसी और दूसरी तरफ गैर-जाटव दलितों का समर्थन हासिल करने के लिए काफी मेहनत कर रही है। पिछड़ों के शक्तिशाली कुर्मी के समर्थन को बनाए रखने के लिए भाजपा नेतृत्व ने अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व वाले अपना दल के साथ गठबंधन करने के लिए अपने हठ से हट गए। कि आगामी विधानसभा चुनावों में जाति प्रमुख कारक है, इसलिए सत्तारूढ़ भाजपा और उसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी दोनों अपने सामाजिक आधार का विस्तार करने के लिए छोटे क्षेत्रीय दलों और विभिन्न जाति समूहों के साथ गठबंधन कर रहे हैं। बीजेपी एक तरफ गैर-यादव ओबीसी और एमबीसी और दूसरी तरफ गैर-जाटव दलितों का समर्थन हासिल करने के लिए काफी मेहनत कर रही है। पिछड़ों के शक्तिशाली कुर्मी के समर्थन को बनाए रखने के लिए भाजपा नेतृत्व ने अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व वाले अपना दल के साथ गठबंधन करने के लिए अपने हठ से हट गए। गौरतलब है कि बीजेपी ने 2014 का लोकसभा चुनाव अपना दल के साथ लड़ा था और अनुप्रिया पटेल को केंद्र सरकार में मंत्री बनाया था। 2017 में फिर से बीजेपी ने अपना दल के साथ यूपी विधानसभा चुनाव लड़ा और फिर 2019 के लोकसभा चुनावों में दोनों पार्टियों का गठबंधन हुआ। लेकिन इस बार अपना दल को मंत्री पद नहीं दिया गया। भाजपा नेतृत्व की पूर्ण उदासीनता से हैरान अपना दल अध्यक्ष ने अन्य दलों के साथ बातचीत शुरू की और समाजवादी पार्टी के साथ संभावित गठबंधन के बारे में खबरें आने लगीं। कुछ ही समय में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सक्रिय हो गए और अनुप्रिया पटेल को चर्चा के लिए आमंत्रित किया, जिसके परिणामस्वरूप वह केंद्रीय मंत्री बनीं और यूपी चुनावों के लिए गठबंधन को अंतिम रूप दिया गया। इसी तरह, भाजपा ने पहल की और संजय निषाद से संपर्क किया और विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन को अंतिम रूप दिया। यह ध्यान दिया जा सकता है कि निषाद समुदाय सबसे पिछड़ी जाति से संबंधित है और पूर्वी यूपी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इसी तरह भाजपा ने भी हिस्सेदारी मोर्चा से जुड़ी छह अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन को अंतिम रूप दिया, जो छोटे दलों का गठबंधन था जो अपने समुदायों को आवाज देने के लिए एक साथ आए थे। इन समुदायों में बिंद, गडरिया, कुम्हार, धीवर, कश्यप और राजभर सहित ओबीसी समूह शामिल हैं। गठबंधन के संयोजक हिस्सेदारी मोर्चा केवट रामाधीन बिंद ने कहा कि उन्हें पता चला कि भाजपा गैर-यादव पिछड़ों और दलितों पर काम कर रही है, इसलिए उन्होंने गठबंधन के लिए वरिष्ठ नेताओं से संपर्क किया। यह मोर्चा विधानसभा चुनाव में बीजेपी से कम से कम 15 सीटों की उम्मीद कर रहा है। हिस्सेदारी मोर्चा की पार्टियां हैं- भारतीय मानव समाज पार्टी, शोषित समाज पार्टी, भारतीय सुहेलदेव जनता पार्टी, भारतीय समता समाज पार्टी, मानवहित पार्टी, पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी और मुसहर आंदोलन मंच। दूसरी ओर, प्रमुख विपक्षी दल और मुख्य चुनौती देने वाले अखिलेश यादव भी छोटी पार्टियों और विभिन्न जाति समूहों के साथ गठबंधन कर रहे हैं ताकि उनकी समाजवादी पार्टी मतदाताओं के बड़े समूह तक पहुंच सके। अखिलेश यादव ने बार-बार घोषणा की कि वह किसी भी राष्ट्रीय पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। पिछले दिनों कांग्रेस और बसपा के साथ गठबंधन का उनका बुरा अनुभव रहा है। अखिलेश ने हाल ही में रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी से मुलाकात की और गठबंधन को अंतिम रूप दिया, जिसके पश्चिमी यूपी में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। अखिलेश ने 36 सीटें रालोद के लिए छोड़ने का फैसला किया है और इनमें से कुछ सपा उम्मीदवार रालोद के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेंगे।

पिछले एक साल के दौरान किसान आंदोलन ने रालोद को जबरदस्त बढ़ावा दिया है, जिसके परिणामस्वरूप जयंत चौधरी की जनसभाओं को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। जाट, मुस्लिम और अन्य पिछड़ों का गठजोड़ भाजपा को टक्कर देने के लिए एक शक्तिशाली समूह बनाएगा। अखिलेश यादव ने शक्तिशाली राजभर नेता ओम प्रकाश राजभर और उनकी पार्टी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ गठबंधन को अंतिम रूप दिया, जिसका पूर्वी यूपी में बहुत प्रभाव है। 2017 की विधानसभा में भाजपा के साथ चुनाव लड़ने वाले ओम प्रकाश राजभर ने सबसे पिछड़ी जातियों की अनदेखी के लिए योगी सरकार की बहुत आलोचना की थी। 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान ओम प्रकाश राजभर और उनकी पार्टी ने भाजपा उम्मीदवारों का विरोध किया और चुनावों के बाद उन्होंने भाजपा से नाता तोड़ लिया। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ गठबंधन को अंतिम रूप देने के बाद, अखिलेश और ओम प्रकाश राजभर ने मऊ में एक संयुक्त जनसभा को संबोधित किया जहां गठबंधन की घोषणा की गई थी। गौरतलब है कि जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) ने भी विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव और उनकी पार्टी को समर्थन देने का ऐलान किया है।

क्यों डरती है सरकार

पिछले एक साल से जिन तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हजारों किसान सड़क पर आंदोलन कर रहे थे, उन तीनों कानूनों को चंद मिनटों में मोदी सरकार ने संसद में रद्द करवा दिया। आप चाहें तो इसे बहुमत की ताकत कह सकते हैं, आप चाहें तो इसमें लोकतंत्र का मखौल उड़ता देख सकते हैं। ये सही है कि किसान लगातार इन कानूनों को रद्द करने की ही मांग पर अड़े थे, उन्हें कानूनों में न संशोधन मंजूर था, न कुछ समय का स्थगन। किसान इन कानूनों को चाहते ही नहीं थे, इसलिए उनके आंदोलन का यह उद्देश्य साफ था कि जब तक कानून वापसी नहीं, तब तक घर वापसी नहीं। और अब मोदी सरकार यही उम्मीद कर रही है कि हमने कानून वापस ले लिया है, तो अब किसानों को भी घर लौट जाना चाहिए। हालांकि किसानों के आंदोलन में कानून वापसी के साथ और कई दूसरी मांगें भी थीं, जिनकी सरकार उपेक्षा कर रही है। इसलिए अपनी उम्मीदों के पूरे न होने का दोष किसानों पर नहीं मढ़ा जा सकता। यह सभी को ज्ञात है कि कृषि विधेयकों को किस तरह हड़बड़ी में सरकार ने संसद से पारित करवा कर कानून बनवाया था। इसके लिए न कृषि अर्थशास्त्रियों से सरकार ने चर्चा की, न किसान संगठनों से रायशुमारी की। किसानों ने कभी ऐसे कानूनों की मांग नहीं की थी, लेकिन उन्हें जबरन थोपकर सरकार यही साबित करने पर तुली थी कि इससे किसानों का भला होगा। हालांकि इस दौरान उद्योगपतियों का कितना भला होता, यह सबको पता चल गया था। किसान सड़क पर मोर्चा खोलकर बैठे रहे, इस दौरान दिल्ली में कई बरसों बाद कड़कड़ाती सर्दी पड़ी, सर्दी के साथ भारी बारिश और हवाओं की मार खुले आसमान के नीचे रह रहे किसानों ने खाई, फिर तपती गर्मी, लू, कोरोना और प्रदूषण सारी मुश्किलें किसानों ने सहीं। लेकिन सरकार ने उनसे बातचीत के रास्ते बंद रखे।

बल्कि मंत्रियों की टोली देश भर में घूम कर प्रेस कांफ्रेस कर कृषि कानूनों के फायदे गिनाते रही। 70 सालों में कई तरह के मिजाज़ वाली सरकारें देश ने देखी हैं, लेकिन ऐसी अड़ियल और संवेदनहीन सरकार पहले कभी देश में नहीं रही। अब भी कृषि कानून वापस लेने के लिए प्रधानमंत्री ने एक तरह से किसानों पर तंज ही कसा कि वे दीए के प्रकाश जैसा सत्य नहीं समझ पाए।

संसद में कृषि कानून निरसन विधेयक पेश करने से पहले कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने सांसदों को जो नोट भेजा, उसमें लिखा है कि इन तीन कृषि कानूनों के खिलाफ %किसानों का केवल एक छोटा सा समूह ही विरोध कर रहा है, समावेशी विकास के लिए सभी को साथ लेकर चलना समय की मांग है।

इस नोट में एक बार फिर कृषि कानूनों से किसानों को होने वाले संभावित फायदे गिनाए हैं। साथ ही कई बार की बातचीत के बावजूद सहमति नहीं बनने का सारा दोष किसान संगठनों के सिर पर थोपा गया है। प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री के इस रवैये से जाहिर है कि उन्हें अब भी सारी कमी किसानों में ही नजर आ रही है और अपने मनमाने कानूनों को सही ठहराने की प्रबल इच्छा को वे महज चुनावों के चलते दबा रहे हैं।

ऐसे में यह संदेह होना स्वाभाविक है कि यही कानून किसी और नाम और शक्ल में फिर से देश पर थोपे जा सकते हैं। जैसे कई बार तूफान शांत होने का इंतजार मल्लाह करते हैं और फिर मछली पकड़ने के लिए अपना जाल फेंकते हैं, कुछ वैसा ही हाल चुनावों के बाद देश में देखने मिल सकता है। इसलिए अभी किसान अपनी बाकी मांगों के साथ आंदोलन जारी रखे हुए हैं, तो यह लोकतंत्र के हित में ही है। सोमवार को संसद में कृषि कानून निरस्त कराने से पहले विपक्ष ने व्यापक चर्चा की मांग रखी थी। क्योंकि कानून वापसी के साथ-साथ लखीमपुर खीरी घटना और बिजली बिल सहित आंदोलन के दौरान हुई कई घटनाओं पर चर्चा विपक्ष चाहता था। जबकि सरकार जानती थी कि अगर बात निकलेगी तो बहुत दूर तलक जाएगी। इसलिए उसने जिस तरह अपने बहुमत से कानून पारित करवाए थे, उसी बहुमत के घमंड में उन्हें बिना चर्चा के निरस्त भी करवा दिए। एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने इसे लोकतंत्र के लिए काला दिन बताया है और ऐसे कई काले दिन पिछले सात सालों में देश ने देखे हैं। सोमवार को जब कृषि विधि निरसन विधेयक 2021 लोकसभा में पेश हुआ तो इसके फौरन बाद कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने विधेयक पर चर्चा कराने की मांग शुरू कर दी। हालांकि अध्यक्ष ने कहा कि सदन में व्यवस्था नहीं है। सरकार ऐसे ही लचर तर्कों से लोकतंत्र का मजाक बना रही है। अगर विपक्षी दल हंगामा कर रहे हैं तो सरकार को उस हंगामे के कारण को समझकर उसका निवारण करना चाहिए। सदन में चर्चा के लिए माहौल और व्यवस्था दोनों बनाना चाहिए। मगर अभी ऐसा लगता है कि सरकार भी हंगामे की आड़ में चर्चा से भागना चाहती है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सही कहा है कि जिस प्रकार से इन कानूनों को रद्द किया है, बिना किसी बातचीत के वो दिखाता है कि सरकार चर्चा से डरती है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, चर्चा नहीं होने दी- एमएसपी पर, शहीद अन्नदाता के लिए न्याय पर, लखीमपुर मामले में केंद्रीय मंत्री की बर्ख़ास्तगी पर उन्होंने कहा, जो छीने संसद से चर्चा का अधिकार, फ़ेल है, डरपोक है वो सरकार। अब देखना होगा कि अपनी बहादुरी साबित करने के लिए सरकार आगामी दिनों में चर्चा का सामना करती है या फिर जनता से और विपक्ष से भागी-भागी फिरती है।

पहला सतत विकास लक्ष्य शहरी सूचकांक जारी

नगरों में अधिकतम नागरिक सुविधाओं के सर्वेक्षण में शिमला ने प्रथम, कोयम्टूर ने द्वितीय और चंडीगढ़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इस सर्वेक्षण सतत विकास लक्ष्य के विभिन्न क्षेत्रों में पूर्ण सुविधा प्राप्त करने वाले नगरों के बारे में भी जानकारी एकत्रित की गई है। सतत विकास लक्ष्य कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकांश लक्ष्य की नागरिक सुविधा मात्र एक ही नगर तक सीमित रही। सतत विकास लक्ष्य का पहला लक्ष्य, नगर से गरीबी की समाप्त करके शून्य स्तर पर लाने में तमिलनाडु का कोयम्बटूर, दूसरे लक्ष्य भुखमरी शून्य स्तर पर लाकर गरीबी से मुक्ति केरल राज्य का कोच्चि, तीसरा लक्ष्य उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली शिमला चौथा लक्ष्य गुणवत्तापरक शिक्षा केरल राज्य का तिरूवनंतपरम, पांचवा लक्ष्य, लैंगिक समानता- में कोच्चि, छठवा लक्ष्य स्वच्छ जल एवं स्वच्छता- भोपाल नगर तक सीमित रही। विगत 18 नवंबर को नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने पहला सतत विकास लक्ष्य नगरीय सूचकांक जारी करते हुए अपने वक्तव्य में कहा नीति आयोग और जीआईजेड के बीच अनूठी भागीदारी के जरिए तैयार एसडीजी शहरी सूचकांक है। राजीव कुमार ने कहा कि शहर तेजी से वृद्धि के इंजन बनते जा रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि नगरीय सूचकांक और डैशबोर्ड हमारे शहरों में एक मजबूत एसडीजी जनगरानी प्रणाली स्थापित करने में महत्वपूर्ण साबित होंगे। नगरीय सूचकांक के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि 56 क्षेत्रों में 44 बड़ी आबादी वाले बड़े नगर चुने गए हैं तथा 12 उत्तरपूर्व के राज्यों की राजधानियां चुनी गई हैं जिनकी जनसंख्या 10 लाख से भी कम है। पहले सतत विकास लक्ष्य के नगरीय सूचकांक में सबसे अधिक नागरिक सुविधा संपन्न नगरों में पहले स्थान पर 75.50 प्राप्तांक के साथ शिमला, दूसरे स्थान पर 73.56 प्राप्तांक के साथ कोयम्बटूर तथा तीसरे स्थान पर 72.56 प्राप्तांक के साथ चंडीगढ़ पाया गया। 65 से 99 अंक प्राप्त करने वाले नगरों को फ्रंट रनर नाम दिया गया है। इन तीन नगरों के बाद चौथे से दसवें स्थान पर क्रमशः तिरूवनंतपुरम प्राप्तांक 72.36, कोच्चि प्राप्तांक 72.29, पणजी प्राप्तांक 71.80, पुणे प्राप्तांक 71.21, तिरूचिरापल्ली प्राप्तांक 70.00, अहमदाबाद प्राप्तांक 69.79 और नागपुर प्राप्तांक 69.70 नगर हैं। ये सभी फ्रंट रनर श्रेणी के नगर है। प्राप्तांक के आधार पर 64 से कम अंक प्राप्त करने वाले नगर %प्रोफॉर्मर श्रेणी में शामिल किए जाते हैं। 56 नगरों में सबसे कम नागरिक सुविधा संपन्न 10 नगरों में सबसे निचले स्थान पर धनबाद है जिसके प्राप्तांक 52.43 है। नीचे से दूसरे स्थान पर मेरठ प्राप्तांक 54.64 तथा तीसरे स्थान पर गुवाहाटी प्राप्तांक 55.79 है। नागरिक सुविधा में निचले 10 नगरों में क्रमशः पटना प्राप्तांक 57.29, जोधपुर प्राप्तांक 58.00, कोहिमा प्राप्तांक 58.07, आगरा प्राप्तांक 58.21, कोलकाता 59.50 और फरीदाबाद 58.57 है। यहां पर प्राप्तांक निर्धारण नियमों एवं स्कीम निर्धारक के बारे में बता देना जरूरी है। प्राप्तांक निर्धारण हेतु 46 टारगेट तय किए गए हैं और मूल्यांकन के लिए 77 सूचक हैं। नीति आयोग ने इंडो-जर्मन डेवलेपमेंट कोऑपरेशन के तहत जीआईजेड और बीएमजेड साथ मिलकर नगरीय सूचकांक और ताजा जानकारी के लिए डैशबोर्ड विकसित किया है। सतत विकास लक्ष्य और इनके 169 उद्देश्य सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा है जिसे सितम्बर 2021 में युनाइटेड नेशंस आर्गेनाइजेशन की शिखर बैठक में 193 सदस्य देशों ने अनुमोदित किया था। यह पहली जनवरी 2016 से प्रभावी हुआ। भारत में नीति आयोग द्वारा इसको अमली जामा पहनाकर क्रियान्वयन किया जा रहा है। भारत में क्रियान्वयन हेतु राज्यों के योजना आयोग को यह दायित्व दिया गया है जो राज्यों के जिला स्तर तक अपनी क्षमता अनुसार यह कार्य कर रहे हैं। देश में 2020 में कोरोना कोविड की पहली लहर तथा 2021 में दूसरी लहर के कारण सतत विकास लक्ष्यों के क्रियान्वयन में शिथिलता आई थी किंतु अब पुनः लक्ष्यों के क्रियान्वयन में सक्रियता आ रही है। 3 जून 2021 को नीति आयाग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने राज्यस्तरीय सतत विकास कार्यक्रम की उपलब्धियों का तीसरा संस्करण जारी किया। इस संस्करण में पिछले सालों की भांति केरल राज्य प्रथम स्थान पर, हिमाचलप्रदेश और तमिलनाडु दूसरे स्थान पर, आन्ध्रप्रदेश, गोवा, कर्नाटका और उत्तराखंड तीसरे स्थान पर, सिक्किम चौथे और महाराष्ट्र पांचवे स्थान पर रहे। इन राज्यों को 70 से अधिक अंक प्राप्त होने के कारण ये फ्रंट रनर श्रेणी के राज्यों में हैं। दूसरी ओर सबसे पिछड़ी पंक्ति में बिहार पहले, झारखंड दूसरे, असम तीसरे, अरूणांचल, मेघालय, राजस्थान और उत्तरप्रदेश चौथे तथा छत्तीसगढ़, नागालैंड और ओडिशा पांचवें स्थान पर रहे। ये सभी पिछड़े राज्य परफॉर्मर श्रेणी के राज्य कहे जा सकते हैं। सतत विकास कार्यक्रम के नगरीय सूचकांक में प्राप्तांक के आधार पर घटते क्रम से ये नगर हैं-1. शिमला 2. कोयम्बटूर 3. चंडीगढ़ 4. तिरूवनंतपुरम 5. कोच्चि 6. पणजी 7. पुणे 8. तिरूचिरापल्ली 9. अहमदाबाद 10. नागपुर 11. चेन्नई 12. सूरत 13 ऐजोल नगर मिजोरम राज्य 14. बेंगलुरू 15. भोपाल 16. वडोदरा, 17. शिलांग मेघालय राज्य, 18. विशाखापट्टनम, 19. नासिक, 20. दिल्ली, 21. रायपुर, 22. हैदराबाद, 23. लुधियाना 24. रांची, 25. अमृतसर, 26. इंदौर, 27. मदुरई 28. औरंगाबाद, 29. राजकोट 30. विजयवाड़ा, 31. गंगटोक सिक्किम, 32. अगरतला, त्रिपुरा 33. मुंबई, 34. ग्वालियर, 35. देहरादून, 36. लखनउ, 37. जयपुर 38. कानपुर, 39. श्रीनगर, 40. जबलपुर, 41. गाजियाबाद 42. प्रयागराज, 43. इम्फाल,मणिपुर 44. भुवनेश्वर, 45. कोटा, 46. वाराणसी, 47 . फरीदाबाद, 48. कोलकाता, 49. आगरा, 50. कोहिमा, नागालैंड राज्य 51. जोधपुर 52. पटना, 53. गुवाहाटी, 54. ईटानगर अरूणांचल राज्य, 55. मेरठ 56. धनबाद झारखंड राज्य ।

बेगम से हीरों की शतरंज हार गए वाजिद अली शा

वर्ष 1847 में 13 फरवरी को नवाब वाजिद अली शाह गद्दी पर बैठे तो अवध पर अंग्रेजों का शिकंजा बेहद कस चुका था, और उसके बुरे दिनों के बादल गहरे हो चले थे। फिर भी उसका खजाना नवाबों की कई पीढ़ियों द्वारा संचित मालोजर से भरपूर था। लखनऊविद योगेश प्रवीन अपनी पुस्तक 'नवाबी के जलवे' में लिखते हैं कि दो नवाबों- गाजाउद्दीन हैदर और नासिरुद्दीन हैदर ने गोमती के तट पर ऐतिहासिक इमारत 'छतरमंजिल' बनवाई थी। उसके सुनहरे छत्र की परछाई दिन में ठीक बारह बजे जिस जगह दिखाई देती थी, वहीं से गोमती के नीचे से होकर उस तहखाने तक जाने का गुप्त रास्ता बना हुआ था, जहां कड़ी पहरेदारी में उक्त खजाना अवस्थित था। एक दिन छतरमंजिल में आराम फरमाते-फरमाते वाजिद को जाने क्या सूझी कि उन्होंने वजीरेआला अमीनुद्दौला को बुलाकर खजाना देखने की ख्वाहिश जता दी। कहते हैं कि अमीनुद्दौला कतई नहीं चाहते थे कि नवाब खजाने का मुआयना करने जाएं। इसलिए उन्होंने उन्हें वहां जाने से रोकने को बहानों पर बहाने बनाने शुरू कर दिए। लेकिन जिद्दी वाजिद ने उनकी एक नहीं सुनी। उनके साथ गुप्त रास्ते की दुश्वारियां झेलकर खजाने तक पहुंचे तो उसमें जमा हीरे-पन्नों, मोती-मणियों वगैरह का अंबार देखकर उनकी आंखें फटी की फटी रह गईं। उन्होंने सोचा होगा, 'इतनी दौलत से बुरे दिनों को बहुत दिनों तक टाला जा सकता है।' वह खुश-खुश वहां से लौटने लगे तो अमीनुद्दौला ने कहा कि पुरखों के दौलतखाने से उनका बिना किसी सौगात के यों खाली हाथ लौटना न सिर्फ अपशकुन होगा, बल्कि शोभा भी नहीं देगा। इसलिए वह अपनी पसंद की कुछ चीजें छांट लें और ले जाएं। इस पर वाजिद ने तीन चीजें पसंद कीं। ये तीनों चीजें थीं- एक हीरों की शतरंज, एक मोतियों की छड़ी और एक पन्ने की कटोरी। आगे चलकर इन तीनों चीजों ने अपने-अपने तरीके से सूबे के इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया। इतिहासकारों ने लिखा है कि वाजिद अली शाह जब भी शतरंज खेलते, उस हीरों की शतरंज से ही खेलते। एक दिन अपनी सबसे प्यारी बेगम हजरतमहल के साथ खेल रहे थे तो बाजी हार गए और पहले से तय शर्त के मुताबिक बेगम ने वह अनमोल शतरंज अपने पास रख ली।

भूलकर भी ये 5 लोग न करें संतरे का सेवन, सेहत पर पड़ेगा बुरा असर

कोरोनाकाल में विटामिन सी की कमी पूरी करने के लिए लोगों ने संतरे का सेवन तो बहुत किया होगा। संतरे में मौजूद विटामिन सी, फाइबर, टामिन, B, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस इत्यादि पोषक तत्व शरीर को हेल्दी बनाए रखने में काफी मदद करते हैं। बावजूद इसके क्या आप जानते हैं इसका अधिक सेवन करने पर आप परेशानी में भी पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं किन 5 परिस्थितियों में संतरे का सेवन करने से बचना चाहिए।

पाचन क्रिया से संबंधित परेशानी

अगर आपको पाचन संबंधी कोई परेशानी है, तो संतरा का सेवन करना छोड़ दें। संतरे का अधिक सेवन करने से पेट में ऐंठन, दस्त, अपच जैसी दिक्कतें आपको परेशानी कर सकती है। इतना ही नहीं इसमें मौजूद फाइबर की अधिकता से आपको डायरिया की शिकायत भी हो सकती है।

दांत हो सकते हैं खराब-

संतरे में मौजूद एसिड दांतों के इनेमल में मौजूद कैल्शियम के साथ मिलकर बैक्टीरियल इंफेक्शन पैदा कर सकता है। इसकी वजह से व्यक्ति के दांतों में कैविटी होने से उसके दांत धीरे-धीरे खराब होने लगते हैं।

एसिडिटी की समस्या-

संतरे में मौजूद एसिड का सेवन अगर आप अधिक मात्रा में करते हैं, तो आपको एसिडिटी की परेशानी हो सकती है। एसिडिटी होने पर व्यक्ति को सीने और पेट में जलन की परेशानी बढ़ सकती है।

पेट दर्द-

शिशुओं को संतरे का सेवन नहीं करवाना चाहिए। संतरे में मौजूद एसिड उन्हें पेट संबधित परेशानी पैदा कर सकता है।

खाली पेट -

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो खाली पेट संतरा का सेवन नहीं करना चाहिए। संतरे में मौजूद अमिनो एसिड की वजह से पेट में बहुत गैस बनने लगती है। इसके अलावा रात में भी संतरे का सेवन करने से बचना चाहिए, संतरे की तासीर ठंडी होने की वजह से आपको सर्दी-जुकाम की परेशानी हो सकती है।

बदलते मौसम में हर दूसरे दिन रहता है गला खराब तो काम आएंगे ये 3 घरेलू नुस्खे

सर्दियों में अक्सर अगर आपका गला खराब रहता है और आप दवा लेते लेते थक चुके तो अब इन घरेलू उपायों को भी अपनाकर एक बार जरूर देखें। यह सभी उपाय आपको नुकसान पहुंचाए बिना आपकी समस्या को दूर करने में आपकी मदद करेंगे।

खराब गले से राहत पाने के लिए सिर्फ नमक के पानी से गरारे करने की जगह नमक के साथ थोड़ी सी हल्दी भी मिला लेने से फायदा होता है। इसके लिए एक छोटा चम्मच हल्दी,1/2 चम्मच नमक,250-300 मिली पानी को उबालकर उसके गुनगुना होने पर गरारे करने से लाभ मिलता है। दिन में 3-4 बार ऐसा करने से गले के इन्फेक्शन को कम करने में मदद मिलती है।

मुलेठी-

गले की अधिकत्तर समस्याओं को ठीक करने के लिए मुलेठी को सबसे अच्छा उपाय माना जाता है। खराब गले को ठीक करने के लिए 1 चम्मच मुलेठी पाउडर शहद के साथ रोजाना लेने के बाद थोड़ी देर बाद गुनगुने पानी से गार्गल करें।

मेथी-

सेहत के लिए वरदान मानी जाने वाली मेथी गले के लिए भी बेहद गुणकारी होती है। इसके लिए 1 चम्मच मेथी दानों को 1 कप पानी में उबालकर छान लें। मेथी दाने वाले इस गुनगुने पानी को पीने से गले की समस्या और दर्द में राहत मिलती है।

हर मौसम में गर्ल्स की पहली पसंद बनेंगे फ्लिप-फ्लॉप्स, फॉर्मल वियर के तौर पर सालभर छाए रहेंगे क्लॉग्स

आप चाहे ऑफिस के लिए फुटवियर खरीदें या पार्टी के लिए, इसमें ढेरों ऑप्शंस आपको मिल जाएंगे। इस साल सैंडिल्स के अलावा क्लॉग्स जैसे ऑप्शंस भी पसंद किए जाएंगे जिन्हें अवसर का ख्याल रखते हुए खरीदा जा सकता है। इस साल के फुटवियर ट्रेंड में शामिल ये चार विकल्प आपको जरूर पसंद आएंगे।

फुटवियर ट्रेंड 2021 :

1. स्ट्रैपी सैंडल

इस साल अंगूठे के लिए बनाई गई स्ट्रैप की रिंग में नए प्रयोग किए जाएंगे। इस वजह से ये काफी मशहूर हो सकते हैं। स्ट्रैप्स के साथ भी नए प्रयोग देखने को मिल सकते हैं।

2. फ्लिप-फ्लॉप

कंफर्टेबल और कूल लुक्स के कारण फ्लिप-फ्लॉप्स पहली पसंद होंगे। इन्हें किसी भी मौसम में कैरी किया जा सकता है। अब हर मौसम में अलग फ्लिप-फ्लॉप्स नजर आएंगे।

3. क्लॉग्स

क्लॉग्स को कंफर्टेबल और कूल लुक्स के लिए ही जाना जाता है। इसमें पैर का आधा हिस्सा अच्छे से कवर्ड रहता है। इसे कैजुअल वियर में तो पहना ही जाएगा, फॉर्मल वियर की तरह भी कैरी किया जाएगा।

4. फॉर्वर्ड फ्लैटफार्म

फ्लैटफार्म को हर सीजन में पहना जा सकता है। किसी भी अटायर को यह बोल्ड लुक देता है। हील्स काफी मोटी होती हैं जो हाइट भी बढ़ा देती हैं। इसे ड्रेसस से लेकर ट्राउज़र्स तक, हर ड्रेस के साथ कैरी किया जा सकता है।

सिर्फ 15 मिनट में घर पर ही पाएं रेडिऐंट ग्लो, ड्राई और डिहाइड्रेटेड त्वचा भी दमकने लगेगी

हम समझ सकते हैं कि आपके पास फेस पैक लगाने का समय नहीं होता है। ना ही आप पार्लर स्किन ट्रीटमेंट के लिए वक्त निकाल पाते हैं। लेकिन स्किन की सफाई तो जरूरी है। इसलिए आज हम आपके लिए लाए हैं, 15 मिनट फॉर्म्युला...इन 15 मिनट में आपकी त्वचा पर ऐसी शाइन आएगी कि आप खुद हैरान रह जाएंगे। ऐसे में आप चाहें तो हमें थैंक्यू भी बोल सकते हैं। क्योंकि रेडिएंट ग्लो पाने का यह तरीका है ही इतना आसान और प्रभावी।

-आपको बता दें कि हम यहां फेस स्टीमिंग की बात कर रहे हैं। जिसके लिए आपको एक छोटे बर्तन में गर्म पानी लेना होगा। यदि आपके पास स्टीमर है तब तो कोई बात ही नहीं। स्टीम लेने से पहले आप इस गर्म पानी में गुलाबजल या पुदीना अर्क, पुदीना पत्ती, नींबू का रस जैसी चीजें भी डाल सकते हैं।

त्वचा के लिए स्टीमिंग है कमाल

-आपको बता दें कि हर तरह की त्वचा के लिए स्टीमिंग किसी जादू की तरह काम करती है। क्योंकि यह त्वचा की मृत कोशिकाएं हटा देती है। त्वचा की अंदरूनी परत तक हीटिंग देकर ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने का काम करती है।

-साथ ही त्वचा के पोर्स को एक दम क्लीन कर देती है। जी हां, मात्र चंद मिनट की स्टीमिंग आपकी त्वचा के लिए इतने काम फटाफट कर देती है और आपके चेहरे पर घर बैठे ही पार्लर जैसा ग्लो आ जाता है।

डीप क्लीनिंग कर ब्लैकहेड्स हटाए

-ब्लैकहेड्स और वाइटहेड्स होने की समस्या बहुत आम है। लेकिन इन्हें क्लीन करना उतना ही मुश्किल होता है। तभी तो कम से कम हर महीने आपको समय निकालकर क्लीनअप कराने जाना ही पड़ता है। जबकि स्टीमिंग आपका यह काम बहुत आसान कर देती है।

-आप दो से तीन मिनट की स्टीमिंग के बाद अपने चेहरे के ब्लैक या वाइटहेड्स को आसानी से हटा सकती हैं। क्योंकि भाप के कारण आपकी त्वचा के रोमछिद्र बड़े हो जाते हैं और हल्के से प्रेशर से ब्लैकहेड्स बाहर आ जाते हैं।

त्वचा पर इस तरह काम करती है भाप

-हम आपको बता चुके हैं कि हर दिन हमारे शरीर की करीब 30 से 40 हजार स्किन सेल्स डेड हो जाती हैं। ये स्किन सेल्स आपकी त्वचा पर चिपक जाती हैं, इससे आपकी त्वचा के रोम छिद्र बंद हो जाते हैं। अगर ये लंबे समय तक बंद रह जाते हैं इनमें जीवाणु पैदा हो जाते हैं, जो पिंपल्स की वजह भी बन जाते हैं।

-इन पोर्स में सीबम भी भर जाता है। सीबम आपकी त्वचा द्वारा प्रड्यूस किया गया ऑइल होता है, जो त्वचा में चिकनाई बनाने का काम करता है लेकिन जब यह अधिक हो जाता है तो त्वचा पर कई तरह की दिक्कतों की वजह भी बन जाता है।

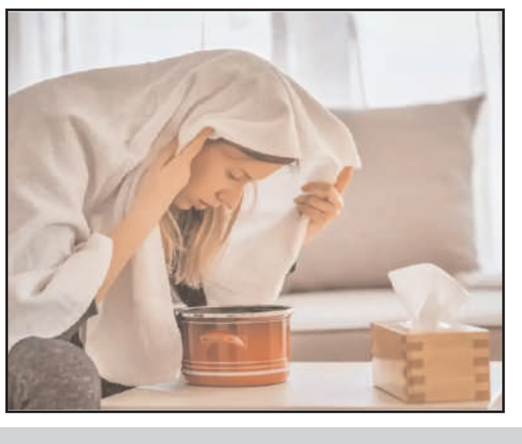

जवां रखती है स्टीमिंग

-भाप लेने से त्वचा में प्राकृतिक कसावट बनी रहती है। इससे फाइन लाइन्स, रिंकल्स , क्रो फीट और लाइफ लाइन्स जैसी दिक्कतें चेहरे पर नहीं होती हैं। आमतौर पर इन सभी समस्याओं की वजह त्वचा का ढीलापन होता है। जबकि भाप आपकी त्वचा को ढीला पड़ने ही नहीं देती है।

-अब आपके मन में यह सवाल आ सकता है कि आखिर त्वचा ढीली क्यों पड़ जाती है? तो आपको बात दें कि त्वचा के ढीली पड़ने की समस्या आमतौर पर 30 साल की उम्र के बाद होती है। क्योंकि इस उम्र के बाद त्वचा में नई कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया काफी धीमी हो जाती है। ऐसे में पुरानी कोशिकाओं ढीली और बोझिल होने लगती हैं।

भाप से क्यों आता है चेहरे पर ग्लो?

-भाप आपकी त्वचा की गहराई से सफाई करने के साथ ही उसमें रक्त के प्रवाह को बढ़ाने में मदद करती है। रोम छिद्रों की सफाई के कारण त्वचा में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे वह खुलकर सांस भी ले पाती है और अपनी रिपेयरिंग भी कर पाती है।

- भाप लेने के बाद आप अपने चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से धोए और फिर तौलिया से पोछ लें। इसके बात त्वचा पर टोनर का उपयोग जरूर करें ताकि आपके रोम छिद्रों को बंद किया जा सके। टोनर के रूप में आप गुलाबजल का उपयोग कर सकते हैं। इसके बाद त्वचा पर सीरम या मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं।

सर्दियों में डिप्रेशन से रहते हैं परेशान, डाइट में शामिल ये फूड तुरंत कर देंगे मूड फ्रेश

अक्सर कुछ लोग सर्दियों के मौसम में तनाव और उदास रहने की शिकायत करते हैं। पर क्या आप जानते हैं यह लक्षण सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर (एसएडी), अवसाद से जुड़ा एक ऐसा विकार है जो मौसम में परिवर्तन के साथ लोगों को प्रभावित करता है। यह ज्यादातर सर्दियों के मौसम में होता है, इसलिए इसे विंटर डिप्रेशन या विंटर ब्लूज़ के नाम से भी जाना जाता है। अगर आपको ऐसी ही कोई शिकायत रहती है तो आइए जानते हैं आखिर डाइट में वो कौन सी चीजें हैं जिन्हें शामिल करके आप इससे छुटकारा पा सकते हैं।

एवोकेडो-

एवोकेडो मूड बूस्टर फ्रूट माना गया है। इसमें मौजूद विटामिन-बी 6, विटामिन-बी 5, फाइबर, विटामिन-सी और ई व्यक्ति के न्यूरोट्रांसमीटर को सिंथेसाइज्ड करने और इडरनेल ग्लैंड्स को सपोर्ट करने का काम करते हैं। तो जब कभी आपको लगे कि आपका मूड खराब है तो एवोकेडो खाएं।

गुड़ पट्टी-

गुड़ पट्टी या चिक्की में मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड हृदय की सेहत को बनाए रखने के साथ कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी संतुलित बनाए रखते हैं। ये ब्रेन के हॉर्मोन्स को बैलेंस कर एकाग्रता और सुकून बढ़ाने का काम करती है।

मेवे-

सुपरफूड माने जाने वाले मेवों में प्रचूर मात्रा में पोषक तत्व, ओमेगा-3, फाइबर, प्रोटीन और हैल्दी फैट मौजूद होता है। सर्दियों के मौसम में पैदा हुई उदासीनता से प्रभावित मूड को ठीक करने के लिए आप मुट्ठीभर ड्राइफ्रूट्स अपनी डाइट में रोजाना शामिल करें।

तिल के लड्डू -

तिल के लड्डूओं को एनर्जी बूस्टर माना जाता है। इसके अलावा तिल के लड्डू का सेवन करने से डिप्रेशन से भी निजात मिलता है। गुड़ और घी में बनाए जाने वाले ये लड्डू तासीर में गर्म होने की वजह से सर्दियों में शरीर को फायदा पहुंचाते हैं।

ब्लैक कॉफी -

ब्लैक कॉफी में मौजूद कैफीन दिमाग में हैप्पी हॉर्मोन्स इंप्रूव करने के साथ ब्रेन को रिलैक्स करने में भी मदद करते हैं। इसका सेवन करने से व्यक्ति को डिप्रेशन, चिंता, तनाव दूर करके अच्छा महसूस करने में मदद मिलती है।

अब पूरे देश में नए वैरिएंट का खतरा

ओमिक्रॉन का खतरा : साउथ अफ्रीका में सिर्फ 24 फीसदी वैक्सीनेशन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

साउथ अफ्रीका में पाए गए कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से दुनिया परेशान है। 13 देशों ने कम्पलीट ट्रैवल बैन कर दिया है। दो सवाल अहम हैं। पहला- यह वैरिएंट कितना खतरनाक है। दूसरा- क्या मौजूदा वैक्सीन इस वैरिएंट के खिलाफ इफेक्टिव रहेंगी। इन सवालों के बीच, साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति कह रहे हैं कि यूरोप और खासतौर पर ब्रिटेन ने जानबूझकर दहशत फैला रहा है। उन्होंने साउथ अफ्रीका और इस महाद्वीप के दूसरे देशों पर लगे ट्रैवल बैन को भी गलत बताया। साउथ अफ्रीका में वैक्सीनेशन की रफ्तार भी बेहद धीमी है। यहां अब तक सिर्फ 24 फीसदी लोग ही वैक्सीनेट हो पाए हैं।

दुनिया के लिए तो वैरिएंट ऑफ कंसर्नः- साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा दो हफ्ते से चल रहे बवाल के बीच पहली बार जनता के सामने आए। कहा- दुनिया हमारे खिलाफ जिस तरह के प्रतिबंध लगा रही है, उससे मैं बहुत निराश हूं। हमारे खिलाफ जो ट्रैवल बैन लगाए गए हैं, उन्हें फौरन हटाया जाना चाहिए। अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय यूनियन ने जो कदम उठाएं हैं, वे सही नहीं हैं। रामफोसा चाहे जो कहें। दो बातें बिल्कुल सही हैं। पहली- उनकी सरकार ने वैक्सीनेशन पर फोकस नहीं किया। दूसरी- अगर उनकी हेल्थ मिनिस्ट्री को दो महीने पहले इस वैरिएंट का पता लग गया था तो उसने ये डाटा WHO से शेयर क्यों नहीं किया।

अब पूरा देश चपेट में

इस वैरिएंट का पहला मामला देश के सबसे ज्यादा घनी आबादी वाले राज्य गुटैंग में मिला था। कहा जा रहा है कि यह केस 9 नवंबर को सामने आया था। अब देश के तमाम हिस्सों और पड़ोसी देशों में ओमिक्रॉन से संक्रमित मरीज मिल रहे हैं। रामफोसा ओमिक्रॉन को वेक-अप कॉल यानी अलर्ट हो जाने के लिए कह रहे हैं। उनका कहना है कि दुनिया में वैक्सीनेशन को लेकर समानता नहीं है। इसकी वजह से यह वैरिएंट सामने आया। वो ये भूल जाते हैं कि उनके देश में 62 फीसदी आबादी के लिए वैक्सीन मौजूद थे, लेकिन सिर्फ 24 फीसदी लोगों ने ही वैक्सीन लगवाई। इसके बावजूद सरकार इसे अनिवार्य या मेंडेटरी नहीं करना चाहती।

बोत्सवाना ने डराया

साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, बोत्सवाना, ब्रिटेन, डेनमार्क, जर्मनी, हॉन्ग कॉन्ग, इजराइल, इटली, नीदरलैंड, फ्रांस, कनाडा और चेक रिपब्लिक समेत 13 से अधिक देशों में ओमिक्रॉन के मामले सामने आ चुके हैं। चिंता की बात ये है कि बोत्सवाना में सामने आए चारों मामले पूरी तरह से वैक्सीनेटेड लोगों में सामने आए हैं। बोत्सवाना में मिले ओमिक्रॉन के चारों केस ऐसे लोगों में सामने आए हैं जिन्हें कोरोना की दोनों डोज लग चुकी थी। यानी नया वैरिएंट वैक्सीनेटेड लोगों को भी संक्रमित कर रहा है।

डिजिटल सुरक्षा कानून का ड्राफ्ट बना

ऑनलाइन ट्रोलिंग पर ट्रोलर के साथ कंपनी भी जिम्मेदार, पोस्ट हटाना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

सोशल मीडिया पर ऑनलाइन ट्रोलिंग पर प्रभावी अंकुश के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने नए कानून का मसौदा तैयार किया है। इसके तहत सोशल मीडिया कंपनियों को ट्रोल करने के संदिग्ध अथवा दोषी ट्रोलर की पहचान बताना अनिवार्य होगा। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग अथवा आपत्तिजनक पोस्ट होने पर यूजर्स के साथ साथ कंपनी को भी जिम्मेदार बनाया जाएगा। सोशल मीडिया कंपनियों को आपत्तिजनक पोस्ट हटानी भी होगी। ऑस्ट्रेलिया सरकार का कहना है कि जब रीयल वर्ल्ड में कानूनों का अस्तित्व है तो डिजिटल दुनिया में भी इनका कानूनों का पालन हर हाल में होना चाहिए। ऑनलाइन डिजिटल दुनिया में अराजकता को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया में पिछले कुछ समय के दौरान कई यूजर्स को ट्रोलिंग के कारण मानसिक अवसाद झेलना पड़ा। अब नए कानून के अनुसार सोशल मीडिया कंपनियों को ऐसी व्यवस्था करनी होगी, जिससे कि यूजर्स अपनी शिकायतों को दर्ज करा सकेंगे। यदि शिकायत के बाद भी सोशल मीडिया कंपनियां कार्रवाई को अंजाम नहीं देती हैं, तो नए कानून के अनुसार कोर्ट में मानहानि का मुकदमा भी दर्ज कराया जा सकता है। अब ऑस्ट्रेलिया में नए सोशल मीडिया यूजर्स के साथ-साथ पुराने यूजर्स पर नए कानून लागू होंगे। प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन का कहना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कोई सीमा न लांघे।

ट्रोलर का नाम, पता और ईमेल एड्रेस बताना जरूरी होगाः- ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन के अनुसार देखने में आया है कि सोशल मीडिया कंपनियां अकसर निजता के नाम पर ट्रोलिंग के दोषियों की पहचान नहीं बताती है। लेकिन नए कानून के अनुसार अब कंपनियों को संदिग्ध अथवा दोषी का नाम, पता और यहां तक कि ईमेल एड्रेस भी बताना होगा।

राज्यसभा सांसदों ने नई दिल्ली में शीतकालीन सत्र के दौरान संसद भवन में अपने निलंबन का विरोध किया

नया गणतंत्रःबारबाडोस ब्रिटिश शासन से मुक्त होकर रिपब्लिक बना, अब इसका अपना राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान होगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बारबाडोस

कैरेबियन द्वीप बारबाडोस नया गणतंत्र बन गया है। यह 54 कॉमनवेल्थ देशों में तो यह गिना जाएगा, लेकिन अब यहां ब्रिटेन की महारानी का शासन नहीं होगा। 2018 से अब तक ब्रिटेन की रॉयल फैमिली के प्रतिनिधि के तौर पर गवर्नर जनरल रहीं सांद्रा मेसन की जगह अब मिया अमोर मोटली प्रधानमंत्री चुनी गईं

हैं। देश का अपना राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान होगा। बारबाडोस की आबादी करीब 2 लाख 85 हजार है। यहां करीब 200 साल तक गुलाम प्रथा रही। बारबाडोस से पहले गुयाना (1970) और त्रिनिडेड और टोबैगो (1976) ब्रिटिश गुलामी से मुक्त हुए थे। दो साल बाद 1978 में डोमिनिका भी रिपब्लिक बना।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी का शोधःएक माह के नवजात देख और सुनकर हास्य को समझने लगते हैं, चार माह का होने पर खुद हास्य बनाने लगते हैं

वाशिंगटन। एक माह का नवजात हास्य को देख और सुनकर समझने लगता है। चार महीने का नवजात तो खुद हास्य बनाने तक लग जाता है। ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी की ओर से चार देशों में 671 परिवारों में किए शोध में ये सामने आया है। इस शोध के नतीजे इसलिए भी अहम है, क्योंकि बच्चों के विकास के लिए शुरुआती चार साल बहुत अहम होते हैं। परिवार में जितना खुशनुमा माहौल होगा, अभिभावक जितना अिधक समय नवजात के साथ बिताएंगे, उतना बच्चे का मानसिक विकास बेहतर होगा। शोध का नेतृत्व करने वालीं ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी की डॉ. एलीना होइका का कहना है कि चार वर्ष तक का होने तक तो बच्चे लगभग 21 प्रकार के हास्य को समझने लगते हैं। एक माह का होने पर बच्चे अपने अभिभावकों खासकर मां की आवाज और उसकी उपस्थिति को भली-भांति पहचानने लगते हैं। माता या पिता द्वारा नवजात के साथ खेल के दौरान अजीब चेहरे बनाने, विभिन्न प्रकार की आवाजें निकालने, लुका छिपी और गुदगुदी को समझने लगते हैं। इसका मजा भी उठाने लगते हैं। साथ ही चार माह का होने तक तो बच्चे अपने तरीकों से खुद हास्य को बनाने भी लगते हैं। जैसे बच्चे अपने माता-पिता को देखकर खुश होने लगते हैं। इस दौरान बच्चे हास्य-विनोद के अपने तौर-तरीकों को भी ईजाद कर लेते हैं। शोध के अनुसार खुश रहने वाले बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास ज्यादा बेहतर तरीके से होता है। शोध में सामने आया कि बच्चे तीन से चार साल तक की उम्र के दौरान सांस लेते और छोड़ते दोनों समय हंसने में सक्षम होते हैं।

नवनियुक्त नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण किया।

यूएस का सख्त फैसलाःआर्मी से संबंध रखने वाली 27 कंपनियां ब्लैक लिस्ट, इनमें 12 चीन की- पाक भी लिस्ट में शामिल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन ने सेना से संबंध रखने वाली 27 विदेशी कंपनियों को ब्लैक लिस्ट कर दिया है। बैन की गईं कंपनियों में सबसे ज्यादा 12 चीन की हैं। इसके अलावा पाकिस्तान, जापान, रूस और सिंगापुर की फर्म्स भी इस लिस्ट का हिस्सा हैं। कुछ दिनों पहले अमेरिकी सरकार ने कहा था कि उन विदेशी कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी जो गुपचुप तरीके से उन देशों की सेनाओं को मदद करती हैं। इसके बाद यह लिस्ट जारी की गई है।

अमेरिकी हितों की फिक्र

अमेरिकी विदेश विभाग ने पिछले हफ्ते कहा था- ऐसी विदेशी कंपनियों के खिलाफ हम सख्त कार्रवाई करने जा रहे हैं जो अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। हमारी नेशनल सिक्योरिटी इन कंपनियों की वजह से प्रभावित हो रही है। इसके अलावा फॉरेन पॉलिसी भी प्रभावित होती है।

कुल मिलाकर 27 कंपनियों मिलिट्री एंड यूजर लिस्ट में रखा गया है। इसमें से एक रशियन बेस्ड है। इसके अलावा 12 कंपनियां चीन की हैं। पाकिस्तान, जापान और सिंगापुर की कंपनियां भी इस लिस्ट में शामिल हैं।

क्या असर होगा

यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट के ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी के मुताबिक, एक्सपोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन रेग्युलेशन्स में बदलाव किया गया है। इसके बाद 27 और कंपनियों को बैन या ब्लैक लिस्ट किया गया है। ये कंपनियां अमेरिकी टेक्नोलॉजी देश से बाहर नहीं ले जा पाएंगी। पाकिस्तान को इस लिस्ट में उसके न्यूक्लियर प्रोग्राम की वजह से रखा गया है। ये कंपनियां अमेरिका में कारोबार भी नहीं कर सकेंगी।

नॉर्थ कोरिया और ईरान को टेक्नोलॉजी ट्रांसफर

माना जा रहा है कि इनमें से कुछ कंपनियां ऐसी हैं जो ईरान को न्यूक्लियर वेपन्स हासिल करने में मदद कर रही हैं। अमेरिका और इजराइल के अलावा कई पश्चिमी देश ईरान के एटमी हथियार प्रोग्राम को अपने लिए खतरा मानते हैं। नॉर्थ कोरिया को भी ध्यान में रखा गया है जो चीन का करीबी है।
माना जा रहा है कि चीन की कुछ कंपनियां पाकिस्तान को बैलेस्टिक मिसाइल प्रोग्राम में मदद कर रही हैं। पाकिस्तान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को अमेरिका ने कई बार अनसेफ यानी असुरक्षित करार दिया है।

जापान में ओमिक्रॉन का पहला केस मिला, नामिबिया से आया पैसेंजर संक्रमित

» अब 16 देशों में पहुंचा नया स्ट्रेन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जापान

जापान में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के पहले केस की पुष्टि हुई है। मंगलवार को नामिबिया से आए 30 साल के एक युवक में संक्रमण का पता चला। सूत्रों के मुताबिक, इस युवक का टोक्यो के नारिता एयरपोर्ट पर कोरोना टेस्ट किया गया था, जिसमें संक्रमण का पता चला। इसके बाद जांच में यह वैरिएंट ओमिक्रॉन निकला।
अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (स्नष्ठ) जल्द ही 16 और 17 साल के युवाओं के लिए फाइजर और बायोएनटेक एसई कंपनी के कोरोना बूस्टर डोज की अनुमति दे सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने सोमवार को इस बारे में जानकारी दी है। खबर के मुताबिक, इस योजना को अगले हफ्ते ही स्वीकृति मिलने की उम्मीद है।

मलावी राष्ट्रपति ने पश्चिमी देशों पर लगाया एफ्रोफोबिया से पीड़ित होने का आरोपः- साउथ अफ्रीका में पाए गए ओमिक्रॉन वैरिएंट पर अफ्रीकी और पश्चिमी देशों में बयानबाजी और एक-दूसरे पर इल्जाम लगाने का दौर शुरू हो गया है। अफ्रीकी देश मलावी के राष्ट्रपति लजारुस चकवेरा ने अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय देशों पर एफ्रोफोबिया से पीड़ित होने का आरोप लगाया है। चकवेरा इन देशों द्वारा साउथ अफ्रीकी देशों पर लगाए गए ट्रैवल बैन से नाराज हैं। उनका कहना है कि ओमिक्रॉन वैरिएंट पर साइंस के हिसाब से फैसले नहीं लिए जा रहे हैं। सोमवार को एक फेसबुक पोस्ट में चकवेरा ने कहा- दुनिया को तो साउथ अफ्रीकी वैज्ञानिकों का शुक्रगुजार होना चाहिए जिन्होंने किसी और से पहले ओमिक्रॉन वैरिएंट खोज निकाला। लेकिन, हम पर ही ट्रैवल बैन लगाए जा रहे हैं। अमेरिका, यूरोप, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया गलत कदम उठा रहे हैं। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि कोविड पर फैसले साइंस के आधार पर लिए जाने चाहिए, एफ्रोफोबिया से पीड़ित होने की जरूरत नहीं है।

मॉडर्ना ने कहा- जरूरत हुई तो अलग वैक्सीन 2 महीने में तैयार कर लेंगे

मॉडर्ना वैक्सीन कंपनी ने कहा है कि ओमिक्रॉन वैरिएंट के लिए स्पेशल वैक्सीन (ओमिक्रॉन स्पेसेफिक) 2 से 3 महीने में तैयार हो जाएगी। साउथ अफ्रीका में कोरोना के नए वैरिएंट की वजह से दुनिया परेशान है। वैक्सीन कंपनियां अब तक दावे से यह नहीं कह पा रही हैं कि मौजूदा वैक्सीन इस नए वैरिएंट को काबू करने में कारगर साबित होंगी।

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने पटना में बिहार विधान सभा के शीतकालीन सत्र के दौरान विरोध प्रदर्शन किया।

न्यूज ब्रीफ

जूनियर हॉकी विश्व कप : बेल्जियम को हराने के लिए भारत का भरोसा ड्रैग फ्लिकरों पर

भुवनेश्वर। दो धमाकेदार जीत के बाद लय हासिल कर चुकी गत चैम्पियन भारतीय टीम एफआईएच पुरूष जूनियर हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में बुधवार को यूरोपीय दिग्गज बेल्जियम के खिलाफ उतरेगी तो उसकी उम्मीदें शानदार फॉर्म में चल रहे अपने ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञों पर टिकी होंगी। खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम को पहले मैच में फ्रांस ने 5.4 से हराकर उलटफेर कर दिया था। इसके बाद हालांकि भारत ने वापसी करते हुए कनाडा को 13.1 और पोलैंड को 8.2 से हराकर पूल बी में दूसरा स्थान हासिल किया। तीसरी बार खिताब जीतने के लिए भारत को अब हर मैच में उम्दा प्रदर्शन करना होगा। बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल लखनऊ में 2016 में खेले गए फाइनल का दोहराव होगा जिसमें भारत ने 2.1 से जीत दर्ज की थी। यह मुकाबला बराबरी का होगा और मौकों को भुनाने में कामयाब रहने वाली टीम ही जीतेगी। भारत के पास उत्तम सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल, सुदीप चिरमाको और मनिंदर सिंह जैसे स्ट्राइकर हैं। उत्तम और मनिंदर ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। इसके अलावा पेनल्टी कॉर्नर में अनेक विकल्प होनेका भी भारत को फायदा है। उपकप्तान संजय कुमार, हुंडल, शारदानंद तिवारी और अभिषेक लाकड़ा ने गोल किए हैं। संजय खास तौर पर शानदार फॉर्म में हैं जिन्होंने फ्रांस और कनाडा के खिलाफ हैट्रिक लगाई। हुंडल ने भी पोलैंड के खिलाफ तीन गोल किए। मिडफील्ड में कप्तान विवेक सागर प्रसाद हैं जो टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय सीनियर टीम का हिस्सा थे। डिफेंस को इस मैच में काफी मेहनत करनी होगी क्योंकि बेल्जियम का आक्रमण काफी मजबूत है।

पाक ने पहले टेस्ट में बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया

चटगांव। सलामी बल्लेबाज आबिद अली लगातार दूसरा शतक नौ रन से चूक गए लेकिन पाकिस्तान ने 202 रन के लक्ष्य का आसानी से पीछा करते हुए बांग्लादेश को पहले क्रिकेट टेस्ट में आठ विकेट से हरा दिया। आबिद और अब्दुल्लाह शफीक ने पहले विकेट के लिए 151 रन जोड़े। यह मैच में उनकी लगातार दूसरी शतकीय साझेदारी थी जिससे पाकिस्तान को मजबूत शुरूआत मिली। पहली पारी में 133 रन बनाने वाले आबिद ने 148 गेंद में 91 रन बनाए। अपने कल के स्कोर बिना किसी नुकसान के 109 रन से आगे खेलते हुए पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाजों को कोई परेशानी नहीं हुई। आफ स्पिनर मेहिदी हसन ने शफीक को पगबाधा आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। शफीक ने 73 रन बनाए। इसके सात ओवर बाद बायें हाथ के स्पिनर तैजुल इस्लाम ने आबिद को पगबाधा आउट किया। पाकिस्तान का स्कोर इस समय दो विकेट पर 171 रन था। इसके बाद अजहर अली और कप्तान बाबर आजम ने टीम को जीत तक पहुंचाया। अजहर 24 और आजम 13 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश ने लिटन दास के पहले शतक की मदद से 330 रन बनाये थे।

मूवी 83 का ट्रेलर रिलीजःइमोशन-एक्शन से भरी पहली वर्ल्ड कप जीत का रोमांच दिखा, 2 घंटे में 10 लाख ने देखा, कपिल बोले- मेरी टीम की कहानी

कपिल बोले- मेरी टीम की कहानी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

1983 वर्ल्ड कप जीत की कहानी पर बनी फिल्म 83 का ट्रेलर रिलीज मंगलवार को सामने आया। कैप्टन कपिल देव का किरदार निभा रहे रणवीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर इसे शेयर किया। इमोशन और एक्शन से भरी वर्ल्ड कप की जीत की कहानी की झलक इस ट्रेलर में दिखाई दी और फैंस इसकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। खासतौर से रणवीर सिंह की एक्टिंग की। रणवीर के अकाउंट पर इस ट्रेलर को 2 घंटे के भीतर करीब 6 लाख लोगों ने देख लिया। दूसरे कलाकारों और यू-ट्यूब पर भी ट्रेलर को करीब 5 लाख व्यूज मिले। यानी करीब 10 लाख लोग इस ट्रेलर को बेहद कम वक्त में देख चुके हैं।

रणवीर बोले- अविश्वसनीय सच्ची कहानी

इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, अंडरडॉग्स की अविश्वसनीय सच्ची कहानी, जिन्होंने अकल्पनीय काम किया। 83 ट्रेलर हिंदी में रिलीज हो गया है। फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में 24 दिसंबर 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। 3डी में भी। ThisIs83।

मेरी टीम की कहानीः कपिल देव

कबीर खान के डायरेक्शन में बनी 83 साल 1983 में क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत की ऐतिहासिक जीत पर आधारित है। फिल्म में रणवीर सिंह क्रिकेट टीम के कैप्टन कपिल देव की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं दीपिका पादुकोण फिल्म में कपिल देव की पत्नी

रोमी भाटिया के किरदार में हैं। कपिल देव ने खुद भी फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया पर शेयर कर लिखा, मेरी टीम की कहानी।

3 मिनट 49 सेकंड का ट्रेलर

3 मिनट 49 सेकंड का ट्रेलर देख आपका सिर भी गर्व से ऊंचा हो जाएगा। ट्रेलर देख आप अंदाजा लगा सकते हैं कि विदेशी धरती पर पहले हमारे प्?लेयर्स ने अपनी इज्जत और देश का अभिमान बढ़ाने के लिए कितनी मेहनत की थी। ट्रेलर को देख फैंस फिल्म को हिट बता रहे हैं। फिल्म में रणवीर और दीपिका के अलावा ताहिर राज भसीन, जीवा, साकिब सलीम, जतिन सरना, चिराग पाटिल, दिनकर शर्मा, निशांत दहिया, हार्डी संधू, साहिल खट्टर, अम्मी विर्क, आदिनाथ कोठारे, धैर्य करवा, आर बद्री और पंकज त्रिपाठी भी फिल्म में अहम किरदारों में नजर आएंगे।

कपिल की स्पीच- जिसने टीम में जज्बा भर दिया

वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पूर्व भारतीय ओपनर श्रीकांत कई बार अपने इंटरव्यू में कपिल की मोटिवेशनल स्पीच का जिक्र कर चुके हैं। श्रीकांत ने कहा था कि 183 रन पर सिमटी भारतीय टीम जीत की उम्मीद नहीं कर रही थी। वेस्टइंडीज की टीम के सामने तो कतई नहीं। इसके बाद कपिल ने अपनी टीम से बात की। कपिल ने ये तो नहीं कहा कि भारत ये मैच जीतेगा, पर उन्होंने कहा था- भले ही हम 183 रनों पर आउट हो गए हैं, लेकिन इस मैच में हार मान लेने की बजाय हम लड़ेंगे।

आईपीएल में रिटेन हुए खिलाड़ियों की लिस्ट आई सामने

धोनी, कोहली, रोहित और बुमराह अपनी टीम के साथ बने रहेंगे

» पंजाब नई टीम के साथ उतरेगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ईएसपीएन क्रिकइंफो की एक रिपोर्ट के मुताबिक आईपीएल की 8 टीमों में से 7 ने अपने खिलाड़ियों को नए सीजन के लिए रिटेन कर लिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पंजाब किंग्स अपने किसी भी पुराने खिलाड़ी को अपने साथ नहीं रख रही है। फ्रेंचाइजी पूरे 90 करोड़ के साथ खिलाड़ियों के मेगा ऑक्शन का हिस्सा होगी।

क्रिकइंफो ने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट भी जारी की है। धोनी, कोहली और विलियम्सन जैसे स्टार खिलाड़ियों को उनकी टीम ने अपने साथ रखा है।

आप पूरी लिस्ट यहां देख सकते हैं

चेन्नई सुपर किंग्स- रवींद्र जडेजा, महेंद्र सिंह धोनी, ऋतुराज गायकवाड, मोईन अली

कोलकाता नाइट राइडर्स- सुनील नरेन, आंद्रे रसेल, वरुण चक्रवर्ती, वेंकटेश अय्यर

मुंबई इंडियंस- रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल

दिल्ली कैपिटल्स- ऋषभ पंत, पृथ्वी शॉ, अक्षर पटेल, एनरिक नोर्त्या

राजस्थान रॉयल्स- संजू सैमसन

रिटेन को लेकर अभी तक किसी भी फ्रेंचाइजी ने आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

आईपीएल 2022 के लिए रिटेंशन प्रकिया

अगले साल होने वाले आईपीएल के लिए रिटेंशन प्रक्रिया का आज आखिरी दिन है। आज सभी फ्रेंचाइजी अपने खिलाड़ियों की लिस्ट सौंपने वाली है। आईपीएल 2022 से पहले मेगा ऑक्शन होना है। इस बार दो नई टीमें भी जुड़ेंगी। हर टीम कुल 4 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। चार खिलाड़ियों को रिटेन करने का खर्च 42 करोड़ होगा। ऑक्शन के लिए एक टीम का पर्स 90 करोड़ है। पहले से मौजूद आठों टीमों को आज रिटेन किए जाने वाले 4 खिलाड़ियों के नाम सौंपने हैं। वहीं दो नई टीमें लखनऊ और अहमदाबाद एक से 25 दिसंबर के दौरान तीन-तीन खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ सकती हैं।

द. अफ्रीकी कोच की उर्दू वायरल हुई

पाकिस्तान के गेंदबाजी कंसलटेंट फिलैंडर की विदाई

ड्रेसिंग रूम में उर्दू में स्पीच दी तो हंसने लगे प्लेयर्स

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम के साथ बतौर गेंदबाजी कंसलटेंट जुड़े साउथ अफ्रीका के वर्नोन फिलैंडर का कार्यकाल खत्म हो गया। सभी खिलाड़ियों ने उनके सफल कार्यकाल के लिए तालियां बजाकर विदाई दी। वहीं वर्नोन ने उर्दू में खिलाड़ियों का शुक्रिया अदा किया, तो खिलाड़ी भी अपनी हंसी को रोक नहीं पाए। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपने आधिकारिक सोशल हैंडल पर विदाई का वीडियो भी शेयर किया है। फिलैंडर ने पाकिस्तानी प्लेयर्स का शुक्रिया अदा करते हुए कहा- आप सभी के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा। मुझे विश्वास है कि आप और अच्छी टीम बनोगे, और मैं वापस आऊंगा।आप शानदार टीम हो, आपके पास खास टैलेंट है, लेकिन यहां से आपको और ऊपर जाना है और बेहतर होना है। इस दौरान उन्होंने हिंदी में जब कहा- आप सभी का शुक्रिया, तो उनके एक्सेंट को सुनकर खिलाड़ियों की भी हंसी छूट गई

बीच दौरे में लौट रहे हैं फिलैंडर

पाकिस्तान टीम अभी बांग्लादेश के दौरे पर है। वहां पर बांग्लादेश के साथ चटगांव में टेस्ट मैच खेल रही है। फिलैंडर साउथ अफ्रीका में कोरोना के नए वैरिएंट आने के बाद लौट रहे हैं। चूंकि साउथ अफ्रीका के नए वैरिएंट आने के बाद कई देशों ने साउथ अफ्रीका में हवाई यात्रा पर रोक लगा दी है। ऐसे में फिलैंडर टीम को बीच दौरे में ही छोड़कर वतन लौट रहे हैं।

नीदरलैंड के साथ रद्द की वनडे सीरीज:- कोविड के नए वैरिएंट ने अफ्रीकन देशों में क्रिकेट को प्रभावित किया है। इस वायरस के कारण साउथ अफ्रीका और नीदरलैंड्स के बीच वनडे सीरीज को रद्द कर दिया गया है।

मॉस्को। पुर्तगाल के बेलेनेंस एसएडी फुटबॉल क्लब के 13 खिलाड़ियों के कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रोन से संक्रमित होने की जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स में सोमवार को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ डॉ. रिकाडर जॉर्ज (आईएनएसए) का हवाला देते हुए इस बात की पुष्टि की गई है।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS

64वीं राष्ट्रीय रायफल शूटिंग चैम्पियनशिप-2021

मप्र की मानसी सुधीर जूनियर महिला वर्ग में तीसरे नंबर पर

» 10 मीटर एयर रायफल महिला वर्ग के तीन मुकाबलों के फाइनल 30 नवंबर को

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी की मानसी सुधीर सिंह कठैत का 64वीं राष्ट्रीय रायफल शूटिंग चैम्पियनशिप-2021 शानदार प्रदर्शन जारी है। मप्र की गौतमी भनोट और आशी चौकसे भी खिताब की दौड़ में बनी हुई है। चैंपियनशिप में मंगलवार को 10 मीटर एयर रायफल महिला, जूनियर और यूथ वर्ग के फाइनल खेले जाएंगे। चैम्पियनशिप का आयोजन खेल और युवा कल्याण विभाग एवं भारतीय राष्ट्रीय रायफल संघ के संयुक्त तत्वावधान में मप्र शूटिंग अकादमी बिसनखेड़ी में 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक किया जा रहा है। चैंपियनशिप में 10 और 50 मीटर के इवेंट खेले जा रहे हैं। मानसी ने 10 मीटर रायफल जूनियर महिला वर्ग में तीसरा स्थान बनाया हुआ

है। मानसी ने 627 अंकों के साथ तीसरी रैंक हासिल की है। इस वर्ग में कर्नाटक की पाहुनी पवार 627.70 अंकों के साथ शीर्ष पर चल रही है। वहीं, तमिलनाडु की आर. नर्मदा नितिन 627.50 अंकों के साथ दूसरी रैंक पर है। इसी वर्ग में मप्र की गौतमी भनोट 624.80 अंकों के साथ नौंवें स्थान पर संघर्ष कर रही है। मप्र की ही आशी चौकसे 622.70 अंकों के साथ 18वीं रैंक पर है। मानसी ने 10 मीटर रायफल महिला वर्ग में चौथा स्थान बरकरार रखा है। उसके 627 अंक है। इस वर्ग में दिल्ली की राजश्री अनिल कुमार संचेती 628.90 अंकों के साथ शीर्ष पर बरकरार है। कर्नाटक की पाहुनी पवार 627.70 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। तमिलनाडु की आर. नर्मदा नितिन 627.50 अंकों के साथ तीसरी रैंक पर है। इसी वर्ग में मप्र की गौतमी भनोट 624.80 अंकों के साथ 10वें, हर्षा चौहान 623.10 अंकों के साथ 20वें और आशी चौकसे 622.70 अंकों के साथ 23वें स्थान पर है।

मप्र अकादमी के उदित जोशी ने जीते स्वर्ण और रजत

मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 64वीं नेशनल पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप-2021 में एक स्वर्ण सहित कुल 4 पदकों पर कब्जा जमाया। अकादमी के उदित जोशी ने एक स्वर्ण, एक रजत और टीम इवेंट में दो कांस्य पदक मप्र ने जीते। चैंपियनशिप का आयोजन नई दिल्ली में 18 नवंबर से 6 दिसंबर तक किया जा रहा है। खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है।

न्यूज़ ब्रीफ

कैग ने आईटी, दूरसंचार मंत्रालय की इकाइयों की निर्णय प्रक्रिया पर सवाल उठाए

नई दिल्ली। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और दूरसंचार मंत्रालयों के अंतर्गत आने वाली इकाइयों के खातों में कई अनियमितताओं को उजागर किया है। इसमें एनआईसीएसआई द्वारा नियमों का उल्लंघन कर 890 करोड़ रुपये मूल्य के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की खरीद का मामला भी शामिल है। वित्त वर्ष 2017-18 और 2018-19 के लिये अपनी ऑडिट रिपोर्ट में कैग ने सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल, सी-डॉट, डाक विभाग, आईटीआई लि. और सीडीएसी की निर्णय प्रक्रिया में विसंगतियों का खुलासा करते हुए कहा है कि इसकी वजह से इन इकाइयों पर प्रतिकूल वित्तीय प्रभाव पड़ा। लोकसभा में सोमवार को पेश कैग की रिपोर्ट के अनुसार, ''एनआईसीएसआई (नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर सर्विसेज इंक) ने रणनीतिक गठबंधन के जरिये 890.34 करोड़ रुपये मूल्य के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर खरीदे। यह सामान्य वित्तीय नियम, 2005 और विभागीय निर्देशों का उल्लंघन था। इस प्रकार यह खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने में विफल रही।'' एनआईसीएसआई सरकारी विभागों को आईटी से जुड़ी ढांचागत सुविधाएं प्रदान करती है। कैग ने दूरसंचार इंजीनियरिंग केंद्र (टीईसी) द्वारा प्रयोगशालाओं की स्थापना में देरी, कमियों आदि को लेकर उसकी खिंचाई की है। रिपोर्ट में सिफारिश की गयी है कि दूरसंचार विभाग (डीओटी) की एक उच्चस्तरीय तकनीकी समिति को सभी नौ प्रयोगशालाओं की स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए और उन्हें जल्द से जल्द पूरा करने का खाका तैयार करना चाहिए।

प्रति शेयर 626 रुपए का मुनाफा : 90.72 फीसदी बढ़त के साथ लिस्ट हुआ गो फैशन का शेयर

स्टार हेल्थ का आईपीओ खुला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

महिलाओं का बॉटम वियर ब्रांड बनाने वाली कंपनी गो फैशन के शेयर्स ने आज निवेशकों को मालामाल कर दिया। इसका शेयर 90.72 फीसदी बढ़त के साथ 1,316 रुपए पर लिस्ट हुआ। कंपनी ने आईपीओ का मूल्य 690 रुपए रखा था। इसका आईपीओ 17 से 22 नवंबर तक खुला था।

12 फीसदी गिरावट के साथ 1,217 रुपए पर पहुंचा शेयर

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर यह शेयर हालांकि बाद में करीबन 12 फीसदी गिरावट के साथ 1,217 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इसने दिन में 1,341 रुपए का हाई बनाया और 1,210 रुपए का निचला स्तर बनाया। कंपनी का मार्केट कैप 6,500 करोड़ रुपए रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ह्स्ध) पर यह शेयर 89.86 फीसदी बढ़त के साथ लिस्ट हुआ था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से 135 गुना रिस्पांस मिला था।

- इसका इश्यू 135 गुना भरा था
- 1,316 रुपए पर शेयर लिस्ट हुआ
- लिस्टिंग के बाद शेयर में 8% की गिरावट

ग्रे मार्केट में 490 रुपए का प्रीमियम

ग्रे मार्केट में इस कंपनी का शेयर 490 रुपए प्रति शेयर प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। यानी इश्यू प्राइस की तुलना में यह 70 फीसदी ज्यादा ऊपर चल रहा था। विश्लेषकों का कहना है कि इस कंपनी का बिजनेस मॉडल मजबूत है और उचित कीमत पर इसके प्रोडक्ट मिलते हैं। कंपनी ने आईपीओ में 650 से 690 रुपए पर शेयर बेचा था। इसने 1,013 करोड़ रुपए जुटाए थे। रिटेल निवेशकों का हिस्सा 50 गुना भरा था।

स्टार हेल्थ का इश्यू आज से

उधर स्टार हेल्थ का आईपीओ आज से खुला है। पहले दो घंटे में 0.06 गुना यह इश्यू भरा है। कंपनी 7,249 करोड़ रुपए जुटाने के लिए बाजार में उतरी है। इसका मूल्य दायरा 870 से 900 रुपए तय किया गया है। इसमें राकेश झुनझुनवाला और उनकी पत्नी की 17 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी है। उन्होंने जिस भाव पर शेयर खरीदा था, उसकी तुलना में उन्हें इश्यू में 5.78 गुना का फायदा मिल रहा है। यानी 32 महीने में ही झुनझुवाला का 100 रुपए का निवेश 578 रुपए हो गया है। उन्होंने मार्च 2019 से इसमें हिस्सेदारी खरीदनी शुरू की थी।

हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी है स्टार अलाइड

स्टार अलाइड हेल्थ प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनी है। यह हेल्थ इंश्योरेंस में काम करती है। इसकी बाजार हिस्सेदारी 15.8 फीसदी है। हालांकि लिस्टेड बीमा कंपनियों की तुलना में इसका शेयर महंगा है। यह इश्यू 2 दिसंबर तक खुला रहेगा और निवेशक कम से कम 16 शेयर्स के लिए बोली लगा सकते हैं। इसने 62 एंकर निवेशकों से 900 रुपए प्रति शेयर के भाव पर 3,217 करोड़ रुपए जुटाए हैं।

सितंबर की छमाही में 380 करोड़ का घाटा

कंपनी को सितंबर की छमाही में 380 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। वित्तवर्ष 2021 यानी अप्रैल 2020 से मार्च 2021 के बीच 825 करोड़ रुपए का घाटा इसे हुआ था। सितंबर 2021 तक कंपनी के पास 779 शाखाएं थीं जो 25 राज्यों में फैली हैं। इसके पास 562 सेल्स मैनेजर हैं। इस समय बाजार में कुल 6 बीमा कंपनियां लिस्टेड हैं।

शापूरजी पालोनजी की आवासीय इकाई जॉयविले 300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी शापूरजी पालोनजी की आवासीय इकाई जॉयविले अपने नए चरण के तहत 750 नए फ्लैट्स बनाने के लिए करीब 300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी पुणे, मुंबई और कोलकाता में अपनी तीन आवासीय परियोजनाओं की मांग में वृद्धि को भुनाने के लिए यह निवेश कर रही है। जॉयविले देश में आकांक्षी आवासीय

परियोजनाओं को विकसित करने वाला 1,240 करोड़ रुपये का एक प्लेटफार्म है। यह प्लेटफार्म शापूरजी पालोनजी, एडीबी, आईएफसी और एक्टिस ने खड़ा किया है। कंपनी ने अभी तक छह परियोजना शुरू की है। जॉयविले शापूरजी हाउसिंग के प्रबंध निदेशक श्रीराम महादेवन ने पीटीआई- भाषा से कहा कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी जल्द ही अपनी चल रही आवासीय परियोजनाओं में विकास के नए चरण शुरू करेगी। उन्होंने कहा, ''कंपनी जॉयविले हडपसर (पूर्वी पुणे), जॉयविले विरार (मुंबई के पास) और जॉयविले हावड़ा (कोलकाता के पास) ... अपनी तीन परियोजनाओं में नए चरण शुरू करेगी। हम इन तीन परियोजनाओं के नए चरणों में 750 से अधिक फ्लैट बनाने की योजना बना रहे हैं।'' महादेवन ने परियोजना की लागत को लेकर कहा कि निवेश की कुल रकम 300 करोड़ रुपये के आस पास होगी और हमें बिक्री से 400 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद है।

चीन में नवंबर में विनिर्माण गतिविधियों में सुधार

नई दिल्ली। चीन में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में नवंबर में सुधार हुआ है। बिजली की स्थिति में सुधार और ऑर्डर बढ़ने की वजह से विनिर्माण गतिविधियां तेज हो रही हैं। एक उद्योग समूह तथा राष्ट्रीय सांख्यिकी एजेंसी का मासिक खरीद प्रबंधक सूचकांक नवंबर में बढ़कर 50.1 हो गया है। यह अक्टूबर में 49.2 पर था। पिछले दो माह के दौरान यह सूचकांक 50 से नीचे रहा था। आंकड़ों के अनुसार, उत्पादन का मापक नवंबर में 3.6 अंक बढ़कर 52 पर पहुंच गया, जिससे पता चलता है कि विनिर्माण गतिविधियों में सुधार आ रहा है। कैपिटल इकनॉमिक्स की शीना यूई ने एक रिपोर्ट में कहा, ''बिजली संकट की स्थिति में सुधार के बाद नवंबर में विनिर्माण गतिविधियां तेज हुई हैं।'' रिपोर्ट में हालांकि कहा गया है कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन की वजह से देश में पुनरुद्धार को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

संक्रमित पृथकवास में रखे जाएं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका सहित कुछ देशों में कोरोनावायरस की नई किस्म सामने आने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय हरकत में आ गया है और इसे रोकने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। मंत्रालय ने सभी राज्यों से कहा है कि बाहर से आने वाले यात्रियों में कोविड संक्रमण पाए जाने पर न केवल उन्हें पृथकवास यानी आइसोलेशन में रखा जाए बल्कि उनके संपर्क में आए लोग भी आइसोलेट किए जाएं। जिनमें कोविड के लक्षण नहीं मिलें, उन पर भी बाद में लक्षणों का पता करने के लिए नजर रखी जाए। स्वास्थ्य मंत्रालय का यह सख्त दिशानिर्देश यह पता चलने के बाद आया है कि 32 साल का एक शख्स दुबई के रास्ते केपटाउन से दिल्ली पहुंच गया और वहां से मुंबई के डोंबिवली स्थित अपने घर पर भी चला गया। ओमीक्रोन से प्रभावित देशों से 14 से 26 नवंबर के बीच भारत लौटे लोगों का पता लगा रही मुंबई की स्थानीय निकाय टीम के अधिकारियों ने उसे रविवार को उसके घर से उठाया। उस व्यक्ति के नमूने को कस्तूरबा अस्पताल की जीनोम सीक्वेंस प्रयोगशाला में भेजा गया है। अगर उसमें ओमीक्रोन वायरस

मिलता है तो देश में वायरस की नई किस्म के संक्रमण का यह पहला मामला होगा। राज्य के स्वास्थ्य सचिवों और मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की जांच के लिए सख्त दिशानिर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय ने लिखा, %संक्रमित व्यक्ति को दिशानिर्देशों के मुताबिक पृथकवास में रखना होगा और नमूने को जीनोम सीक्वेंस जांच के लिए भेजना होगा।% नए दिशानिर्देश के मुताबिक संक्रमित के संपर्क में आने वाले यात्रियों को भी सरकारी पृथकवास या होम क्वारंटीन में रहना होगा और राज्य सरकार द्वारा उसकी सख्त निगरानी की जानी चाहिए। भूषण के पत्र में कहा गया है, जिन यात्रियों की जांच नहीं हुई है और जिनकी आरटी-पीसीआर रिपोर्ट नेगेटिव आई है, उनका हालचाल राज्य निगरानी इकाई को दूसरे और पांचवें दिन लेना चाहिए तथा लक्षण दिखने पर आरटी-पीसीआर जांच करानी चाहिए।% राज्यों को अन्य राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के साथ सक्रियता से काम करने की सलाह दी गई है ताकि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की आवाजाही पर प्रभावी तरीके से नजर रखी जा सके। जोखिम वाले देशों जैसे ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बांग्लादेश, बोत्स्वाना, चीन, मॉरीशस, न्यूजीलैंड, सिंगापुर आदि से आने वाले यात्रियों के लिए आरटी-पीसीआर जांच अनिवार्य होगी।

सेंसेक्स मूल्यांकन में गिरावट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बीएसई सेंसेक्स का मूल्यांकन यानी इस सूचकांक में शामिल 30 कंपनियों से संबंधित प्राइस-टू-अर्निंग (पी/ई) गुणक गिरकर अपने एक साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया है। इसकी वजह यह है कि पिछली दो तिमाहियों के दौरान कंपनियों के लाभ में बढ़ोतरी हुई है, जिससे प्रति शेयर आय (ईपीएस) में बढ़ोतरी हुई है मगर बाजार में कमजोरी आई है। यह सूचकांक 26.8 गुना पी/ई गुणक पर बना हुआ है, जो पिछले साल अगस्त के बाद सबसे कम है। इसकी तुलना में सूचकांक की ईपीएस वित्त वर्ष 2022 की पहली छमाही के अंत में अब तक के सर्वोच्च स्तर 2,136 रुपये पर पहुंच गई। इससे सूचकांक की ईपीएस चालू कैलेंडर वर्ष की शुरुआत से 50 फीसदी चढ़ चुकी है। यह वित्त वर्ष 2020 की तीसरी तिमाही के बाद महामारी पूर्व की ऊंची ईपीएस 1,795 रुपये के मुकाबले भी करीब 20 फीसदी ऊपर है। सूचकांक का मूल्यांकन इस साल मार्च में सबसे ऊंचे स्तर पर था। उस समय यह करीब 35 गुना पी/ई पर बना हुआ था। सूचकांक का मौजूदा मूल्यांकन कैलेंडर वर्ष 2019 की पहली छमाही के बराबर है। उस साल जून में बाजार करीब 28 गुना पी/ई गुणक पर पहुंचा था। मगर कॉरपोरेट आय कर की दरों में कटौती के बाद 2019 की अंतिम तिमाही में मामूली तेजी आई थी। भले ही पिछले छह महीनों के दौरान शेयरों का मूल्य नरम पड़ा हो, लेकिन बाजार बीते वर्षों में अपने मूल्यांकन की तुलना में महंगा बना हुआ है। मौजूदा पी/ई गुणक सेंसेक्स के पांच साल के औसत आय गुणक 25.8 गुना की तुलना में महज 4 फीसदी या 100 आधार अंक अधिक है इसके 10 साल के औसत आय गुणक 22.2 गुना से 463 आधार अंक या करीब 20 फीसदी ही अधिक है। हाल में विदेशी ब्रोकरेज ने भारत में अधिक मूल्यांकन का हवाला देते हुए भारतीय शेयरों में कम निवेश की सलाह दी है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि संस्थागत निवेशक अगले 12 से 18 महीनों के दौरान कॉरपोरेट लाभ और सूचकांक की ईपीएस वृद्धि में नरमी को लेकर चिंतित हैं।

रिजर्व बैंक के कब्जे में अनिल अंबानी की कंपनी, रिलायंस कैपिटल का बोर्ड खारिज

नई दिल्ली। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल के बोर्ड को भारतीय रिजर्व बैंक ने खारिज कर दिया है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र के पूर्व कार्यकारी निदेशक नागेश्वर राव को नया प्रशासक बनाया गया है। आज कंपनी का शेयर 4.99 फीसदी लोअर सर्किट के साथ 19.05 रुपए बंद हुआ। लोअर सर्किट मतलब एक दिन में उससे ज्यादा गिरावट नहीं आ सकती। कंपनी के बोर्ड में अनिल अंबानी, राहुल सरीन, छाया विरानी, थॉमस मैथ्यू और धनंजय तिवारी सहित अन्य लोग हैं। रिलायंस कैपिटल ने 27 नवंबर को स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी थी। इसने कहा था कि वह एक्सिस बैंक और एचडीएफसी के 624 करोड़ रुपए के लोन का ब्याज देने में फेल रही। यह ब्याज उसे 31 अक्टूबर तक देना था।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंक्डीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।